राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 249 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 09 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

प्लूटो होटल में लगी आग, फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियों ने पाया काबू

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में सोमवार को आग लगने की दो घटना सामने आई। साहिबाबाद स्थित पेपर फैक्ट्री में आग लगने की घटना के बाद एक होटल में भी आग लगने की घटना सामने आई। जिसके बाद फायर विभाग की पांच गाड़ियों को कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। गाजियाबाद के साहिबाबाद में स्थित प्लूटो होटल में सुबह 5:29 बजे आग लगने की खबर मिली। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फायर विभाग के अनुसार, उस समय साहिबाबाद फायर स्टेशन की गाड़ियां साइट-4 में एक पेपर फैक्ट्री में लगी आग को बुझाने में व्यस्त थीं। जैसे ही होटल में आग की सूचना मिली, गाजियाबाद के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने कोतवाली और वैशाली के अग्निशमन अधिकारियों को 5 फायर टेंडर और यूनिट के साथ तुरंत घटनास्थल पर भेजा।

राजनीति में 'चेहरे पे कई चेहरे', पर प्रो. सांवरलाल जाट ऐसे नहीं थे

सिरोंज। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने एक बार फिर भारतीय राजनीति की बदलती प्रकृति पर तीखा कटाक्ष किया है। उन्होंने रविवार को अजमेर जिले के सिरोंज गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में दिवंगत नेता प्रो. सांवरलाल जाट की मूर्ति के अनावरण के दौरान उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सियासत के बदलते चेहरे को कठघरे में खड़ा किया। वसुंधरा राजे ने कार्यक्रम के बाद अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर अपने दिल की बात साझा करते हुए लिखा—मौसम और इंसान कब बदल जाए कोई भरोसा नहीं। आजकल राजनीति में लोग नई दुनिया बसा लेते हैं, एक चेहरे पे कई चेहरे लगा लेते हैं। पर प्रो. सांवर लाल जाट ऐसे नहीं थे।

पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

मोहाली। पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को कड़ी सुरक्षा के बीच नाभा जेल ले जाया गया है। रविवार को मजीठिया की रिमांड खत्म हुई, जिसके बाद कोर्ट में पेशी हुई। मोहाली कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। शिरोमणि अकाली दल के नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया की ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग केस में 25 जून को गिरफ्तारी हुई थी। पंजाब की विजिलेंस ब्यूरो ने मजीठिया को उनके अमृतसर स्थित घर से गिरफ्तार किया था।

उल्टा पानी पहुंचे शिवराज सिंह चौहान,कागज की नाव केंद्रीय कृषि मंत्री ने चलाई

भाजपा अकेली पार्टी है जो वैचारिक और व्यवहारिक प्रशिक्षण देती है

सरगुजा/ संवाददाता

मैनपाट से इन दिनों छत्तीसगढ़ सरकार चल रही है. भारतीय जनता पार्टी का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर मैनपाट में चल रहा है. प्रशिक्षण शिविर के पहले दिन बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नेताओं को संबोधित किया. नड्डा के संबोधन के वक्त बीजेपी नेताओं के मोबाइल फोन बाहर रखे गए थे. प्रशिक्षण शिविर में शामिल नेताओं ने मीडिया से थोड़ी दूरी बनाकर रखी है. शिविर के दूसरे दिन आज केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए. तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का दूसरा दिन शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत भी योग से हुई. दूसरे दिन केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान जिनको मध्य प्रदेश में प्यार से बच्चे मामा भी कहते हैं शामिल हुए. शिवराज सिह मास्टर ट्रेनर बनकर बीजेपी नेताओं को प्रशिक्षण देने पहुंचे थे. प्रशिक्षण शिविर में शामिल शिवराज चौहान पहले नेता थे जिन्होने ने मीडिया से मुखातिब होते हुए बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण शिविर का क्या फायदा होता है और क्यों जरुरी है. उल्टा पानी देखने पहुंचे शिवराज सिंह चौहान: प्रशिक्षण शिविर में अपने प्रबोधन के बाद शिवराज सिंह मैनपाट की अद्भुत धरती उल्टा पानी देखने भी गये. शिवराज सिंह चौहान ने यहां पौधारोपण भी किया. उल्टा पानी को देखकर शिवराज सिंह चौहान काफी खुश हुए. केंद्रीय कृषि मंत्री ने उल्टा पानी में कागज़ की नाव भी चलाई. शिवराज सिंह के साथ आज विनोद तावड़े भी शिविर में उपस्थित थे. शिविर में उप

मुख्यमंत्री विजय शर्मा, अरुण साव और जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे. वैचारिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि अकेली पार्टी है भारतीय जनता पार्टी जो अपने कार्यकर्ताओं का वैचारिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण करने का काम करती है. चौहान ने कहा कि पूरे देश में हमारे माननीय सांसदों और विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग हो रहे हैं. प्रशिक्षण वर्ग में वैचारिक विषय भी है, एकात्म मानव दर्शन, सिद्धांत और व्यवहार जैसे कार्यकर्ता का आचरण, अपने क्षेत्र में बेहतर काम कैसे करें इसकी ट्रेनिंग भी उनको दी जा रही हैं. केंद्रीय कृषि मंत्री: शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ जनता को कैसे मिले, प्रचार और प्रसार कैसे हो इस पर भी काम हो रहा है. वैचारिक और सैद्धांतिक दोनों पहलुओ पर यहाँ व्यावहारिक विषय और वैचारिक विषय रखे गये जिसका लाभ हमारे सांसदों और विधायकों को मिलेगा और वो और दक्षता के साथ काम कर सकेंगे. केवल सांसदों और विधायकों का नहीं अलग अलग श्रेणी के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण हम कर रहे हैं.इसके अलावा जब उनसे जब राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि, मेरी जिम्मेदारी कृषि मंत्री और ग्रामीण विकास मंत्री की है।

नकली खाद और कीटनाशक को लेकर बनेगा कानून, किसान हित सर्वोपरि- कृषि मंत्री शिवराज

छत्तीसगढ़ के शिमला बीजेपी का तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग चल रहा है.जिसमें बीजेपी के सबसे अनुभवी पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ट्रेनर बनकर पहुंचे. यहां शिवराज सिंह चौहान ने मौलश्री का और विनोद तावड़े ने रुद्राक्ष के पौधे का रोपण किया. इस दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को लेकर बड़ी बात कही है. शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आने वाले समय में किसानों को किस तरह से उन्नत बनाया जाए इस दिशा में काम किया जा रहा है. शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर क्लाइमेट के हिसाब से होने वाली फसलों पर काम कर रहा है.ताकि जिन इलाकों में पैदावार कम है उस जगह पर कौन सी फसल अच्छी तरह से होगी इस पर काम किया जाएगा. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका है. किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते में किसानों के हितों की रक्षा के महत्व पर जोर दिया गया है।

पिछले कुछ समय से बीमार थे

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता का निधन.....

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊलाल वैष्णव का मंगलवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने एम्स जोधपुर में सुबह 11:52 बजे अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार थे और हाल ही में उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें जोधपुर के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जोधपुर एम्स ने एक बयान में कहा कि यह अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि माननीय रेल मंत्री के पिता श्री दाऊलाल वैष्णव जी का आज 08 जुलाई 2025 को सुबह 11:52 बजे एम्स जोधपुर में निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से गंभीर रूप से बीमार थे और एम्स

जोधपुर में उनका इलाज चल रहा था। मेडिकल टीम के बेहतरीन प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। एम्स जोधपुर परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

नशेड़ियों का अड्डा बना पब

शराब के नशे में लड़की का हाई प्रोफाइल ड्रामा दो पक्षों में जमकर मारपीट,वाहन में तोड़फोड़...

कोरबा/ एजेंसी

कोरबा के वन नाइट क्लब के बाहर दो पक्षों में मारपीट का मामला सामने आया है, जिसमें एक युवती का हाई वोल्टेज ड्रामा भी देखने को मिला। यह घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित पॉम मॉल में संचालित वन नाइट क्लब के बाहर हुई। बताया जा रहा है कि दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई और थार वाहन में भी तोड़फोड़ की गई। नशे में चूर युवती ने हाई वोल्टेड ड्रामा किया और पुलिस से भी बहस की। बताया जा रहा है कि सीएसईबी चौकी अंतर्गत टीपी नगर में पब में दो गुटों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष बाहर आए और जमकर मारपीट हुई। वाहन में तोड़फोड़ की गई। दोनों ही पक्ष का बीच सड़क पर हाई प्रोफाइल ड्रामा देखने को मिला। जहां सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को समझने का प्रयास कर रही थी। लेकिन दोनों एक दूसरे की बात नहीं मान रहे थे और मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस से बहस करते नजर आए।

युवती शराब के नशे में थी और पीछे बैठे युवक को अपना पति बता रही थी। जहां पुलिस से बहस करते नजर आई। इसका हाई प्रोफाइल ड्रामा सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वन नाइट क्लब शराबियों का अड्डा बन चुका है, जहां आए दिन युवक-युवतियां शराब के नशे में निकलते हैं और हंगामे करते हैं। मारपीट और युवती के ड्रामे का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। पब में मारपीट का कोई पहला मामला नहीं है इससे पहले भी कई मामले सामने आ चुके हैं। जिसके शिकायत सीएसईबी चौकी पुलिस से की जा चुकी है। पुलिस मारपीट करने वाले पक्ष पर रिपोर्ट दर्ज करने के लिए कह रही है। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मारपीट करने वालों पर कार्रवाई करने की बात कह रही है।

आजादी से लेकर अब तक दुर्ग में आने वाले पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

संवाददाता-मलिन्दर भाटिया

दुर्ग(समय दर्शन)। देश की आजादी 15 अगस्त 1947 से लेकर आज तक 78 वर्षो में दुर्ग में आने वाले नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री है। जिन्होंने दुर्ग शहर कि पावन धरा पर कदम रखा और यहा पर विशाल जन सभा को संबोधित भी किया। भारत देश की आजादी के बाद भारत देश में कई प्रधानमंत्री हुए, लेकिन कोई भी प्रधानमंत्री का दुर्ग में आगमन नहीं हुआ। किसी भी प्रधानमंत्री का दुर्ग में दौरा कार्यक्रम व सभा का आयोजन नही हुआ सिर्फ नरेंद्र मोदी ही भारत देश के इकलौते प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने दुर्ग शहर में आकर विशाल जन सभा को संबोधित किया, विधानसभा व लोकसभा के पिछले वर्ष 2023-24 के चुनाव सम्पन्न हुए थे। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दुर्ग शहर में दौरा कार्यक्रम बना और उन्होंने दुर्ग शहर के हृदयस्थल रविशंकर स्टेडियम दुर्ग में विशाल जन सभा को संबोधित किया, 15 अगस्त 1947 को भारत देश आजाद हुआ और पंडित जवहार लाल नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने उन्होंने 1947 से लेकर 1964 तक देश के प्रधानमंत्री की बागडोर सम्हाली, इस दौरान उन्क भिलाई इस्पात संयंत्र में दौरा कार्यक्रम बना उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा कर भिलाई के कार्यक्रम में शामिल हुए थे पर दुर्ग में नही आ पाए थे। नेहरू जी की 1964 में मृत्यु के बाद लाल बहादुर शात्री देश के प्रधानमंत्री बने 1964 से लेकर 1966 तक उन्होंने प्रधानमंत्री का सफलता पूर्व दायित्व निभाया और आचानक ताककन्द समझौते के दौरान पाकिस्तान में निधन को गया। उन्के निधन पर देश भर में शोक कि लहर फैल गई, शात्री जी के निधन का समाचार काफी विवादो में घिरा रहा, शात्री जी के बाद देश की बागडोर नेहरू जी की सुपुत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी के हाथो में आई और वे देश की प्रधानमंत्री बनी, श्रीमती

इन्दिरा गांधी ने अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा किया लेकिन

दुर्ग में आने का उनका भी कोई कार्यक्रम नहीं हो पाया था। आपातकाल के विवादित विषय व अन्य कारणों से इन्दिरा गांधी की कांग्रेस सरकार सत्ता से बेदखल हो गई, तब पहली बार गैर कांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार बनी जिसका नेतृत्व करते हुए मोरारजी देसाई देश के प्रधानमंत्री बने लेकिन मोरारजी देसाई का भी दुर्ग में आना नहीं हो पाया। मोरारजी देसाई कि जनता पार्टी सरकार में फूट पडने से श्री देसाई को सत्ता से बाहर होना पड़ा तब चौधरी चरण सिंह ने कांग्रेस के समर्थन से सरकार का गठन किया। प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का भी दुर्ग में कोई दौरा कार्यक्रम नहीं हुआ, कांग्रेस के समर्थन हटाने पर चरण सिंह सरकार को भी जाना पड़ा इसके बाद इन्दिरा गांधी कांग्रेस सरकार की वापसी हुई, लेकिन 1984 को प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी को उनके सुरक्षा कर्मी द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई। इंन्दिरा जी के निधन के बाद उनके सुपुत्र राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री बने 1984 से 1989 तक वह देश के प्रधानमंत्री रहे। उनका भी भिलाई आगमन हुआ यहा उन्होंने सेक्टर 06 भिलाई में विशाल जन सभा को संबोधित किया पर दुर्ग नही आ पाए। कांग्रेस में राजीव गांधी व वी.पी.सिंह के मतभेद के चलते वी.पी.सिंह ने राजीव गांधी व कांग्रेस से किनारा करते हुए अपना जन मोर्चा का गठन किया। वी.पी.सिंह के साथ कई वरिष्ठ नेतागणो ने मिलकर नई पार्टी बनाई। वरिष्ठ नेताओं में प्रमुख रूप से चौधरी देवी लाल, चन्द्रशेखर, पूर्व केन्दीय मंत्री मुक्तिमोहम्मद सईद, आरीफमोहम्मद खान, विद्या चरण शुक्ल, रामधन व राजबब्बर जैसे अनेक नेता शमिल थे। वी.पी.भी अपने कार्यकाल में दुर्ग नही आ पाए, देवीलाल व चन्द्रशेखर की प्रधानमंत्री पद की लालसा को लेकर वी.पी.सिंह को प्रधानमंत्री पद गवानां पड़ा । इसके बाद कांग्रेस समर्थन से चन्द्रशेखर प्रधानमंत्री बने पर वे भी दुर्ग नही आ पाए। इसके बाद राजीव गांधी के निधन के बाद 1991 से 1996 तक कांग्रेस की पी.वी.नरसिम्हा राव की सरकार बनी उन्होंने भी भिलाई का दौरा किया पर दुर्ग नहीं आ पाए। 1996 में देवगौड़ा के

नेतृत्व में मिली जुली सरकार का गठन हुआ। देवगौड़ा जी भी भिलाई में सभा को संबोधित किये पर दुर्ग नही आऐ। देवगौड़ा के बाद इन्द्रकुमार गुजराल देश के प्रधानमंत्री बने वे भी दुर्ग नही आये। गुजराल जी के बाद 1999 में अटल बिहारी वाजपई ने अन्य दलो से मिलकर अपनी सरकार बनाई वे भी अपने कार्यकाल के दौरान दुर्ग में नहीं आये 2004 में मनमोहन सिंह क नेतृत्व में कांग्रेस सरकार का गठन हुआ 2004 से 2014 तक उनके दो कार्यकाल में उनका भिलाई आना हुआ पर वे भी दुर्ग नहीं आ पाए। 2014 में नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने इसके बाद 2019 व 2024 में भी नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री की बागडोर सम्हाले हुए हैं। इस तरह प्रधानमंत्री पद पर रहते नरेंद्र मोदी दुर्ग में आने वाले देश के प्रथम प्रधानमंत्री हैं।

शाह ने राज्यों को जारी की बड़ी सलाह

जेलों में कट्टरपंथियों को पनपने से रोकने के लिए उठाये सख्त कदम

नई दिल्ली/ एजेंसी

इस तरह के वाकये पूरी दुनिया में देखने को मिल रहे हैं कि जेलों में बंद कट्टरपंथी दूसरे कैदियों का भी ब्रेन वॉश करके उन्हें गलत राह पर धकेल देते हैं। देखा जाये तो जेलों में कैदियों को कट्टरपंथी बनाये जाने की घटनाएं अब गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। यह प्रवृत्ति आंतरिक सुरक्षा के लिए तेजी से बड़ा खतरा बन रही है इसलिए संकट की गंभीरता को समझते हुए भारत सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस दिशा में तुरंत प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को जारी एक परामर्श में कहा गया है कि कारागारों में बंद कमजोर मानसिकता वाले व्यक्तियों में उग्र विचारधारा के प्रसार को रोकना तथा ऐसे कैदियों को

मुख्यधारा में लौटाने के लिए 'डि-रेडिकलाइजेशन' की प्रक्रिया अपनाना अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगा। देखा जाये तो कारागार एक सीमित व नियंत्रित वातावरण होता है जहाँ सामाजिक अलगाव, समूह मनोवृत्ति तथा निगरानी की सीमितता जैसी परिस्थितियाँ अतिवादी विचारों के पनपने के लिए उपजाऊ भूमि बन जाती हैं। कई बंदी, जो पहले से ही हताशा, समाज से कटाव या हिंसात्मक प्रवृत्तियों से ग्रस्त होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ किसान कांग्रेस के प्रदेश सचिव बने विनोद चौहान

बसना (समय दर्शन)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की किसान कांग्रेस इकाई ने छत्तीसगढ़ में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करते हुए छत्तीसगढ़ किसान कांग्रेस का प्रदेश सचिव विनोद चौहान बसना को नियुक्त किया है। विनोद चौहान ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयो को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनायें दी। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज एवं किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी मनोज नचार , राम मोहन बरुआ की अनुशंसा पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपाल सिंह खेड़ा एवं संगठन प्रभारी अखिलेश शुक्ला के निर्देशानुसार तथा प्रदेश कोषाध्यक्ष राजेश मुकर्जी के अनुमोदन से की गई है। इस अहम पद पर नियुक्ति से विनोद चौहान ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का बहुत-बहुत आभार जताया है। चौहान की नियुक्ति पर प्रदेश, जिला व ब्लाक पदाधिकारियों के साथ पुष्पसागर ताण्डी, पीताम्बर चौहान, दाऊराम सागर, सौदागर मुन्ना, चाउमीन चौहान ,वीरेंद्र नन्द, भोपेश चौहान , मनोहर सींग जटाल, झरना चौहान ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएँ प्रदान किया है। विनोद चौहान ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि,मै सदैव जन सेवा के लिये तत्पर रहूँगा । हमेशा पार्टी के लिये समर्पित रहूँगा।

रामदेव बाबा दरबार में 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव

दुर्ग । पुलगांव नाका नवकार परिसर स्थित श्री रामदेव बाबा दरबार में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गुरुदेव सोहनलाल बापजी (चालीसगांव महाराष्ट्र) का गुरु पूर्णिमा महोत्सव 10 जुलाई को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 10 बजे गुरुदेव जी की महाआरती की जाएगी। तत्पश्चात प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा गुरुदेव के जीवन पर आधारित भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। दोपहर में महाप्रसादी (भंडारा) का वितरण किया जाएगा। यह समस्त धार्मिक कार्यक्रम गुरुदेव सोहनलाल बापजी की शिष्या भक्तमाता शांतादेवी बापजी के सानिध्य में आयोजित किए गए है। श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर समिति के प्रमुख रमेश कुमार जैन व सुश्री पायल जैन द्वारा श्रद्धालुओं से समस्त धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई है।

गुरु पूर्णिमा पर्व पर श्री साई मंदिर में भजन संध्या का आयोजन

दुर्ग। सिविल लाईन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध श्री साईबाबा मंदिर में गुरु पूर्णिमा का पर्व 10 जुलाई को पूरे श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 7 बजे श्री साई बाबा का महाभिषेक, आरती, हवन-पूजन पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। यह समस्त धार्मिक अनुष्ठान मंदिर के मुख्य पंडित कैलाशचंद्र तिवारी के सानिध्य में संपन्न होगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए श्री साई मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ एवं सचिव धनेन्द्र सिंह चंदेल ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर्व पर मंदिर में दोपहर से देर रात तक भजनों की धूम मचेगी। साई महिला भजन मंडली द्वारा दोपहर 3 बजे भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। संध्या 7 बजे श्री साई बाबा के आरती उपरांत भजन सम्राट अंकित तिवारी एवं साथी भजनों की की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। श्री साई बाबा मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ एवं सचिव धनेन्द्र सिंह चंदेल ने समस्त धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं से शामिल होकर पुण्यलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

महापौर नीरज पाल ने किए जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में निरंतर बारिश के कारण जल भराव की स्थिति निर्मित न हो एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए महापौर नीरज पाल, महापौर परिषद सदस्य लक्ष्मीपति राजू सुबह 8 बजे से विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किए। जुनवानी रोड स्थित एम.जे.कालेज समीपस्थ बड़ा नाला, इंदु आई.टी. स्कूल के सामने नाला, वार्ड क्रं. 14 शांति नगर एवं वार्ड क्रं. 17 नेहरू भवन सुपेला के मोहल्लो में छोटे नालो का निरीक्षण किया गया। जहां बारिश पानी की निकासी निरंतर हो रही है, यदि किसी प्रकार की समस्या आती है तो सफाई कर्मी को तैनात करने स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को निर्देशित किया गया। चंद्रा मौर्या अंडर ब्रिज का अवलोकन किया गया, अंडरब्रिज के बाजू सम्पवेल में 12.5 एच.पी. का मोटर पम्प लगातार संचालित है, जिसके माध्यम से पानी खाली कराया जा रहा है और सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेट लगाया गया है। आकाश गंगा स्थित व्यावसायिक परिसर एवं अंडरब्रिज का अवलोकन किया गया।

छ.ग. चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स इकाई बालोद का संपन्न हुआ शपत ग्रहण समारोह

बालोद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज इकाई बालोद के नवनिर्वाचित कायर्कारिणी के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन महेश्वरी भवन बालोद में गत 6 जुलाई को आयोजित किया गया ,जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सतीश थोरानी प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज व अध्यक्षता पूर्व सदस्य राष्ट्रीय बाल संरक्षण अधिकार आयोग यशवंत जैन, विशेष अतिथि चंद सुंदरानी जी प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, निकेश बरडिया जी प्रदेश कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्वनिर्वाचित अध्यक्ष हरीश सांखला, उपाध्यक्ष चेतन ढेलड़िया , किशोर आहूजा, भागचंद टावरी, ललित श्रीश्रीमाल , महामंत्री संतोष पाढ़ी , संगठन मंत्री श्रवन टावरी, कोषाध्यक्ष भीखम चंद चौरड़िया, प्रचार प्रसार मंत्री लक्की अरोरा,तरूण बड़तिया, संरक्षक मूलचंद रतनबोहरा, गोकुल आहुजा, हसमुख भाई पटेल, थानमल जैन, प्रमुख सलाहकार राजू पटेल, दीपक उपाध्याय , प्रमोद देशलहरा , मांगीलाल ढेलड़िया, मनीष कोठारी, ताराचंद सांखला के साथ ही कार्यकारिणी के सदस्यों ने पद की शपथ ली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथ सतीश थोरानी ने अपने सम्बोधन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों को बधाइ देते हुए कहा कि आप सभी को जो जिम्मेदारी सौंपी गई है। उसे संगठन में एकता कायम रखते हुए निभाए क्योंकि अध्यक्ष का निर्वाचन सर्वसम्मति से किया गया है। इस अवसर पर अध्यक्षता करते हुए यशवन्त जैन ने अध्यक्ष हरीश सांखला व संगठन के सभी शपथ लेने वाले पदाधिकारियों को बधाइ देते हुए व्यापारियों के सोच के अनुरूप कार्य करने की बात कहीं। इस इवसर पर संघर्ष में सफ्लता तक का मोमेटों रमेश पाढ़ी, दासमल चेनानी, दुलारीराम देवांगन, राजकुमार देवांगन, श्यामू साहू , भोजराम साहू, चन्द्रेश श्रीवास, खेमजी भाई पटेल , जितूपटेल, मूलचंद, रतन बोहरा को प्रदाय किया गया।

संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का किया गया आयोजन

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। संकुल केंद्र टिकनपाल मे संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें संकुल केंद्र टिकनपाल के समस्त 14 स्कूलों के नवप्रवेशी बच्चे, शिक्षक एवं विकासखंड कुआकोंडा के अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत खंड शिक्षा अधिकारी मैडम द्वारा माता सरस्वती के चित्रपटल पर माल्यार्पण कर की गई तत्पश्चात समस्त अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देखकर किया गया

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए समस्त नव प्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर माला पहनाया गया और मिठाई खिलाकर बच्चों का मुंह मीठा किया गया और बच्चों को बैग,गणवेश एवं पाठ्यक्रम वितरित किया गया उसके पश्चात विशेष भोजन परोसा गया कार्यक्रम मे विकास खंड शिक्षा अधिकारी वीणा गौतम,एबीईओ मनोज राठौर, मध्यान भोजन नोडल अधिकारी मोहंती जी, प्रभारी संकुल समन्वयक अजय कुमार साहू, संकुल प्राचार्य मोहन सिन्हा, मेहत्तर बघेल, इतवारी नेताम,शंकर लाल नाग, बिजेंद्र गुप्ता, जयश्री कश्यप,मिलापा घनेन्द्र,अश्वन कुंजाम, मानकू बारसे, नागेश मिश्रा, गोपलाल गोयल एवं समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं एवं पालक गण उपस्थित रहे द्य

मानिकपुरी पनिका समाज ब्लॉक बसना हेतु चुनावी सरगर्मी बढ़ी

- कठर दास उर्फगजानंद मानिकपुरी ने उपाध्यक्ष पद के लिए किया नामांकन दाखिल

बसना (समय दर्शन)। बसना मे मानिकपुरी पनिका समाज ब्लॉक ईकाई का चुनाव जुलाई माह 2025 का संपन्न होना है। अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष पद हेतु नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। दिनांक 06 जुलाई से 09 जुलाई के संध्या 05 बजे तक नामांकन दाखिल किया जायेगा। दिनांक 10/07/25 को नामांकन पत्र की जांच होगी पश्चात् प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किया जायेगा।

बता दें कि अभी तक अध्यक्ष पद हेतु अश्विनी दास निवासी पिपलखुंटा, उपाध्यक्ष पद हेतु कठर दास उर्फ गजानंद मानिकपुरी निवासी बरपेलाडीह ने अपना नामांकन पत्र निर्वाचन अधिकारी भागीरथी दास को सौंपा। नामांकन दाखिल के समय सेवक दास दीवान जिलाध्यक्ष,मलिन दास मानिकपुरी, प्रदीप दास राजन, दूरबीन दास,हेम दास बड़े डाभा,नेमीदास, गुणसागर दास बरोली, रोहित दास चनाट, विजय दास आमाभौना , लखन दास,प्रेम दास, हलधर बरपेलाडीह उपस्थित रहे।

शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर में प्रधान पाठक द्वारा नेवता भोज का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर में नव पदस्थ प्रधान पाठक गफ्फार खान के द्वारा छात्र छात्रों को नेवता भोज का आयोजन करवाया गया।

नेवता भोज में मौसमी फ्ल,मिष्ठान्न, बिस्किट, चाकलेट परोसा गया।

सभी बच्चे प्रफुल्लित होकर नेवता भोज का आनंद लिए।

प्रधान पाठक गफ्फार खान ने नेवता भोज के बारे में बताया कि कोई भी आमजन,संगठन, सामाजिक संस्था,व्यापारिक और सभी वर्गो के लोग,जनप्रतिनिधि नेवता भोज दे सकते है।जिससे बच्चों को मध्यान्ह भोजन के साथ अतिरिक्त पौष्टिक आहार मिल सके।

इस मौके पर शाला विकास समिति के अध्यक्ष नेहरूलाल साहू, उपाध्यक्ष खेमकुमारी साहू, नोनी बाई ,सरपंच प्रेमलाल,गुणसागर, विद्याधर साहू, शिवकुमार साहू,ओम बाई,अनिता यादव, मायावती चौहान, मांगमोती,फूलबाई, रामेश्वरी चौहान, शिक्षक प्रहलाद साहु,रसोइया घुराऊराम साहू, बुधियारीन साहू उपस्थित थे।

नेवता भोज के इस आयोजन पर जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे, बसना विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया, सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद शुक्ला, बद्रीविशाल जोल्हे, लोकेश्वर सिंह कंवर, विकास खण्ड स्रोत समन्वयक डॉ. पूर्णानंद मिश्रा, नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी, जमदरहा संकुल समन्वयक डीजेंद्र कुर्रे , बड़ेटेमरी संकुल समन्वयक वारिश कुमार और शाला प्रबंधन समिति ललितपुर के सदस्यों,पालकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

एकलव्य सेवा संस्था केंदुढार द्वारा दसकर्म कार्यक्रम में सहयोग

सरायपाली (समय दर्शन)। सरायपाली विकास खण्ड अन्तर्गत आने वाले ग्राम पंचायत केंदुढार में एकलव्य सेवा संस्था ने सामाजिक सहयोग प्रस्तुत करते हुए ग्राम केंदुढार निवासी गनपत चौहान के पिता स्व.भोजराम चौहान(भूतपूर्व सरपंच) के दशकर्म कार्यक्रम दिनांक 07.07.2025 को वहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और मृतक के पुत्र गनपत चौहान को श्रीफ्ल भेंट कर सहयोग के रूप में समिति द्वार 50 किलो चावल व आवश्यक सामग्री प्रदान किया गया है। यह सहयोग संस्था के समाजिक उत्तरदायित्व को दर्शाता है जो समय-समय पर गांव में इस प्रकार के पुनीत कार्य करती रही है। इस अवसर पर एकलव्य सेवा संस्था के प्रमुख सदस्यों में डिग्रीलाल साखरे,भोलानंद साखरे,फ्निेश सिदार,फगुलाल डड़सेना,दीपक वैष्णव,सूरज वैष्णव,हेमदास मानिकपुरी, दधिबल साहू एवं थमलेश डिंगरे उपस्थित थे।

एकलव्य सेवा संस्था का यह कदम न केवल प्रेरणादायक है बल्कि ग्रामीण जनजीवन में समता और बंधुत्व विकसित करने का प्रयास के साथ समाज को आपसी सहयोग और सद्भाव के सूत्र में पिरोने का कार्य कर रहा है। एकलव्य सेवा संस्था इस प्रकार के सामाजिक कार्यों के माध्यम से ग्रामीण जीवन को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है द्य

इनकी यह सेवा नए साल 2025 से निरंतर हर किसी भी गरीब परिवार की लड़की शादी,दशकर्म कार्य आदि में अपनी निरंतर सहयोग प्रदान कर रही है।

बारिश के दौरान रहे सतर्क, विद्युत कंपनी ने करंट से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने किया जागरूक

पाटन (समय दर्शन)। बरसात का मौसम आते ही बिजली के करंट का खतरा बढ़ जाता है एवं बिजली के खंभों, एचटी लाइन, तारों और घर पर करंट के कारण कई हादसे देखने को मिलते हैं। इन हादसों में कई बार लोगों की जान तक चली जाती है। इसका कारण जानकारी का आभाव है। बिजली की लाइनों और घरों में प्रवाहित होने वाले करंट से बचने के लिए विभाग ने एडवाइजरी जारी करते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल ने जनता को आगाह करते हुए कहा है कि जरा सी असावधानी की वजह से करंट बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मर एवं उपकरणों के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें तथा सुरक्षित दूरी बनायें रखें। यदि आंधी-तूफान में खंबे, तार आदि टूटे हों, तो इसकी सूचना तत्काल कंपनी के टोल फ्री नं. 1912 पर, मोर बिजली एप एवं समीप के वितरण केन्द्र या जोन कार्यालय में दें।

बारिश में बिजली के खंभों, तारों, और ट्रांसफार्मर से दूर रहें और किसी भी क्षतिग्रस्त लाइन या उपकरण को न छुएं। यदि आपको करंट लगने की आशंका है, तो तुरंत बिजली विभाग को सूचित करें। जहां बिजली के तार या उपकरण हो वहां बारिश के पानी में करंट फैल सकता है, इसलिए पानी में न चलें या न तैरें। बिजली के उपकरणों का उपयोग करते समय, सुनिश्चित करें कि आपके पैर सूखे हों और आप रबर या प्लास्टिक के जूते पहने हों। इस तरह की सावधानियां को ध्यान में रखते हुए बरसात के मौसम में बिजली से सतर्कता बरतनी चाहिए। बरसात के मौसम की शुरुआत के साथ ही बिजली विभाग सतर्क हो गया है। विभाग द्वारा बारिश से पूर्व सभी फीडरों, ट्रांसफार्मरों और तारों की जांच की जा चुकी है। लेकिन नागरिकों की सतर्कता भी उतनी ही जरूरी है। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उपभोक्ताओं को भी कुछ बातें ध्यान रखना आवश्यक है :-

विद्युत दुर्घटनाओं से बचने के लिए घरों/खेतां आदि में बिजली के गुणवत्तापूर्ण उपकरणों का उपयोग करें।

बाड़ी/खेतों की बाड़/कंटीले तार आदि में विद्युत प्रवाहित न करें। यह अनाधिकृत है, इससे किसी की जान भी जा सकती है एवं विभाग द्वारा खेत या बाड़ी के मालिक पर कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।

विद्युत लाईनों, उपकरणों/ट्रांसफार्मर आदि में खराबी आने पर अनाधिकृत रूप से उनको सुधारने का प्रयास न करें। ऐसी स्थिति में विभाग के संबंधित कर्मचारी/अधिकारी को सूचित करें।

बिजली की लाईनों के नीचे और उनके समीप बिलकुल स्थायी अथवा अस्थायी निर्माण ना करें। विद्युत लाईनों से सुरक्षित दूरी बनायें रखें।

यदि बिजली का तार टूटकर जमीन पर गिरा पाया जाता है, तो उससे दूर रहे तथा अन्य व्यक्तियों को भी दूर रहने की सलाह दें। इसकी जानकारी तत्काल संबंधित लाईनमेंन/कनिश्ठ अभियंता को देकर विद्युत प्रवाह बंद करावें।

नदी, नालों, तालाबों आदि में बिजली का तार टूटकर गिरा पाये जाने पर उनके अंदर न जायें, तथा पर्याप्त दूरी बनाये रखें। इसकी सूचना संबंधित लाईन कर्मचारी/कनिश्ठ अभियंता को तत्काल देकर विद्युत प्रवाह बंद करावें।

विद्युत लाइनों से सीधे हुकिंग कर बिजली का अनाधिकृत उपयोग न करे, यह खतरनाक हो सकता है।

कपड़े सुखाने के लिए बिजली के खंभे और स्टे तार आदि का उपयोग ना करें। कपड़े सुखाने वाले तार की विद्युत उपकरणों/लाईनों से पर्याप्त दूरी रखें।

विद्युत लाईनों से छेड़छाड़ न करें एवं कटी-फ्टी सर्विस लाईनों का उपयोग न करें।

अस्थायी कनेक्शन हेतु कटे-फ्टे वायर का उपयोग न करें। पर्याप्त लंबाई की बल्लियों का उपयोग करें, ताकि लाईन की जमीन से पर्याप्त ऊंचाई रहे।

बच्चों को विद्युत उपकरणों/लाईनों के आसपास न खेलने दें।

यदि कोई व्यक्ति तारों के संपर्क में आ जाता है तो निम्न सावधानी बरतनी चाहिए :-

ऽ स्विच से विद्युत प्रवाह तुरंत बंद कर दे।

ऽ यदि स्विच बंद न कर सकें तो दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को सूखी रस्सी, सूखा कपड़ा या सूखी लकड़ी की सहायता से तारों से अलग करें। ऐसा न करने से सहायता करने वाले को भी बिजली का झटका लग सकता है।

दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को सूखी जमीन या सूखे पर्दे पर लिटायें एवं कृत्रिम सांस देकर उसका प्रथम उपचार करें एवं अस्पताल पहुंचाने की षीघ्र व्यवस्था करें।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री संजय खंडेलवाल ने कहा कि भीषण गर्मी, आंधी-तूफान और बारिश जैसे मौसम बिजली कर्मियों के लिए युद्ध के मैदान जैसी स्थिति उत्पन्न करता है। जरा सी गलती होने पर किसी की भी जान जा सकती है या जीवन भर के लिए विकलांग हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में उपभोक्ताओं से अपील है कि वे लाइन कर्मचारियों को उनके सुधार कार्यों में सहयोग करें। बिजली आपूर्ति अवरुद्ध होने पर उपभोक्ता 05 से 10 मिनट रुककर बिजली कंपनी के टोल फ्री नंबर 1912 पर शिकायत दर्ज कराएं।

उन्होंने ने कहा कि फीडर में आई खराबी या फाल्ट को ढूंढना और उसका निराकरण करना आसान नहीं होता है। भीषण गर्मी, आंधी-तूफान, बारिश और अंधेरे की परवाह न करते हुए फाल्ट खोजने की कार्यवाही की जाती है। कभी-कभी सभी खंभों की जांच करनी पड़ती है तो कभी-कभी गड़बड़ी कुछ खंभों के बीच ही शीघ्र मिल जाती है। विद्युत व्यवस्था के सुचारु संचालन एवं सुरक्षात्मक दृष्टि से कार्य करने में उपभोक्ताओं का सहयोग भी आवश्यक है क्योकि विद्युत लाइनों में जरा सी भी असावधानी या छेड़खानी से बड़े-बड़े खतरे पैदा हो सकते हैं। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उपभोक्ताओं को भी उक्त बातें ध्यान रखना आवश्यक है, जिससे लोगों के घर के साथ-साथ जीवन भी रोशन रहे।

महंत को बोलने से रोकने की कोशिश, खड़गे को रोकनी पड़ी नारेबाजी

कांग्रेस की सभा में बारिश के बीच नेताओं में हावी रही दिखावेबाजी

रायपुर (समय दर्शन)। राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में सोमवार को आयोजित कांग्रेस की 'किसान, जवान, संविधान' सभा में जहां एक ओर मौसम ने चुनौती दी, वहीं दिखावेबाजी ने पार्टी की एकता की पोल खोल दी। बूंदाबांदी के बीच मंच पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत को बोलने से खुद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रोकने की कोशिश की। स्थिति इतनी बिगड़ी कि महंत को खुद कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील करनी पड़ी, लेकिन उनका आग्रह भी बेअसर रहा।

खड़गे को बीच में रोकना पड़ा भाषण

सभा को संबोधित कर रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी नारेबाजी के चलते अपना भाषण बीच में रोकना पड़ा। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा, इतना उत्साह अगर चुनाव में

दिखाओगे तो अच्छा होगा, अभी शांति बनाए रखें।

एयरपोर्ट से ही दिखी दरार

सूत्रों के मुताबिक गुटबाजी की शुरुआत एयरपोर्ट से ही हो गई थी, जब खड़गे रायपुर पहुंचे तो पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को उनके पास तक जाने नहीं दिया गया। सभा स्थल पर यही असंतोष नारेबाजी और हंगामे के रूप में फूट पड़ा।

भिलाई के कार्यकर्ताओं ने की नारेबाजी, देवेंद्र यादव पर निगाहें कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, हंगामा करने वाले ज्यादातर कार्यकर्ता भिलाई क्षेत्र के थे। माना जा रहा है कि ये भिलाई विधायक देवेंद्र यादव के समर्थक थे, जो प्रदेश अध्यक्ष पद के दावेदार भी हैं। मौजूदा पीसीसी चीफ दीपक बैज पहले ही उनके दिल्ली दौरों और गुटबंदी की शिकायत प्रभारी सचिन पायलट से कर चुके हैं।

भूपेश बघेल का जोशीला भाषण, बिना नारेबाजी के

मंच पर जब भूपेश बघेल की बारी आई तो वे पूरा उत्साह और आक्रोश के साथ बोले। उन्होंने किसानों को खाद नहीं मिलने और स्कूलों में बच्चों को किताबें न मिलने जैसे जमीनी मुद्दों को जोरदार ढंग से उठाया। आश्चर्यजनक रूप से उनके भाषण के दौरान कोई नारेबाजी नहीं हुई, जो यह भी संकेत देता है कि कुछ गुट सिर्फ खास चेहरों के विरोध में सक्रिय थे।

बारिश ने रोका रथ, गुटबाजी ने बिगाड़ा रुख

जहां एक ओर बारिश ने सभा की उपस्थिति को सीमित किया, वहीं गुटबाजी ने पार्टी की संगठनात्मक एकता पर सवाल खड़े कर दिए। वरिष्ठ नेताओं की अपील के बावजूद कार्यकर्ताओं के बीच अपना नेता कौन की लड़ाई साफ दिखी। कुल मिलाकर, कांग्रेस की यह सभा सियासी ऊर्जा के बजाय भीतरू खींचतान और गुटबाजी के चलते चर्चा में रही — ऐसे में आने वाले चुनाव से पहले पार्टी को आंतरिक अनुशासन पर गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

विष्णु कैबिनेट की बैठक 11 को

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है। यह बैठक 11 जुलाई शुक्रवार के सवेरे 11:30 बजे होगी। मीटिंग में कई अहम फैसलों पर मुहर लग सकती है। इसके पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 30 जून को कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसलों पर मुहर लगाई गई।

दादाबाड़ी में मनाई गई दादागुरुदेव जिनदत्त सूरीश्वर की 871 वीं पुण्यतिथि

रायपुर (समय दर्शन)।आचार्य जिनमणिप्रभ सूरि द्वारा प्रतिष्ठित चमत्कारी जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में प्रथम दादागुरुदेव जिनदत्त सूरि की 871 वीं पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई गई । प्रात: से ही सैकड़ों बच्चों व भाई बहनों ने दादागुरुदेव जिनदत्त सूरि की प्रतिमा के सम्मुख इक्तिसा जाप किया व गुरूदेव का गुणानुवाद किया गया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि एक लाख तीस हज़ार अजैनों को जैन बनाने वाले एकावतारी युगप्रधान दादागुरुदेव जिनदत्त सूरीश्वर की पुण्यतिथि के अवसर पर दादागुरुदेव का इक्तिसा जाप भक्ति भाव से किया गया । प्रथम दादागुरुदेव जिनदत्त सूरि की गुणानुवाद सभा में अध्यक्ष संतोष बैद ने कहा कि 12 वीं शताब्दी में जब भारत में मुगल साम्राज्य द्वारा मंदिर व मूर्तियों को खंडित किया जा रहा था उस समय सुप्रसिद्ध जैन आचार्य श्रीजिनदत्त सूरि ने अपने तपोबल व साधना से धर्म की रक्षा की। एक समय उज्जैन में उनके प्रवचन के समय 64 योगनियां श्राविका का रूप कर दादा जिनदत्त सूरी को कपट पूर्वक तंग करने आई जिसे अपने दिव्य ज्ञान से जानकर उन्हें मंत्र बल से उनके आसन में ही स्तंभित कर दिया जिससे 64 योगनियों ने नतमस्तक होकर आचार्य को 7 वरदान दिए तथा सदैव उनकी आज्ञा पालन का वचन दिया। वहीं अपनी साधना से 52 व्यंतर देव को भी सिद्ध किया तथा इन सभी सिद्धियों का जनहित में प्रयोग कर मुगल बादशाह को प्रभावित किया। एक बार नगर में चतुर्मास प्रवेश के समय मुगल बादशाह के पुत्र कि घोड़े से गिरकर मृत्यु को हो गई। तब आचार्य ने बादशाह के पुत्र को अपने सिद्धिबल से व्यंतरदेव को उनके शरीर में प्रवेश करा कर जीवित कर दिया। बादशाह ने पुत्र के जीवित हो जाने की खुशी में अपने राज्य में दादा जिन्दत सूरी के उपदेश से सभी मंदिर मूर्तियों को खंडित नहीं करने का आदेश जारी कर दिया। दादाश्री ने साढ़े तीन करोड़ माया बीज मंत्रो को सिद्ध किया, उज्जैन में वज्र स्तंभ मंत्र युक्त ग्रंथ रखे थे जिन्हे निकालने में कोई भी समर्थ नहीं था, जिसे उन्होंने अपने सिद्धि बाल से निकाला। अजमेर में जैन प्रतिक्रमण में शाम को बिजली का प्रकोप हुआ अनेक धर्म प्रेमी को बचाने बिजली को अपने पात्र में स्तंभित कर दिया। तब विद्युत देवी ने वरदान दिया की जिनदत्त सूरी की आन है कहने से विद्युत प्रकोप नही होगा। प्रथम दादाश्री के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी में आयोजित स्वर्गारोहण महोत्सव की गुणानुवाद सभा में ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद ने आगे कहा की प्रथम दादा को युग प्रधान की उपाधि नागदेव श्रावक को अम्बा देवी के हथेली में स्वर्ण संदेश लिखा, जिसे कोई भी आचार्य नही पढ़ पाया। तब आचार्य के मंत्रित वासक्षेप डालकर अपने शिष्य से पढ़वाया। उस श्लोक में देवी ने लिखा था दासानुदासा इव सर्व देवा, यदिय पादाब्ज तले लूठनती , मरुस्थली कल्पतरु सजीयात, युगप्रधानो जिनदत्त सूरी। ऐसे हमारे प्रथम दादा युगप्रधान के रूप में देवी अम्बा द्वारा प्रतिष्ठित हुए आज हम सभी उनके अनंत उपकारों का स्मरण करने ही उपस्थित हुए है इनके द्वारा 130000 नूतन जैन बनाए गए। दादागुरुदेव की बड़ी पूजा में अष्ठप्रकारी पूजा में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। अंत में आरती व मंगल दीवा किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में शामिल हुए केदार कश्यप

रायपुर (समय दर्शन)। सहकारिता एवं जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में शामिल हुए। संगोष्ठी नवा रायपुर, अटल नगर में स्थित छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) परिसर में आयोजित की गई। उन्होंने इस अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत परिसर में पौधरोपण किया। मंत्री कश्यप ने इस मौके पर गौपालक तथा मत्स्य पालक किसानों को रुपे केसीसी कार्ड और दुग्ध सहकारी समितियो को माइक्रो एटीएम वितरित किया। मंत्री कश्यप ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है और माँ के प्रति हमारी श्रद्धा। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक अनूठा तरीका भी है। माँ और प्रकृति दोनों ही जीवनदायिनी हैं, पोषण करती हैं, और बिना किसी स्वार्थ के अपनापन देती हैं । मंत्री कश्यप ने कहा कि माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना माँ के प्रेम को प्रकृति के साथ जोड़ता है। यह एक जीवंत श्रद्धांजलि है, जो न केवल माँ के प्रति हमारी भावनाओं को व्यक्त करती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक उपहार है। उन्होंने कहा कि यह अभियान, 'सहकारिता' के साथ, भारत में सामाजिक और पर्यावरणीय उत्थान के लिए महत्वपूर्ण पहल है। ये सामूहिक भागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी पर आधारित हैं, और इनकी मूल भावना सहयोग, संरक्षण और समाज में योगदान देने की है। 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल की शुरुआत प्रधानमंत्री द्वारा 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर की गई थी। इसका उद्देश्य माताओं की स्मृति में पेड़ लगाने को प्रोत्साहित करना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह अभियान प्रकृति और मातृत्व के बीच समानता को रेखांकित करता है , क्योंकि दोनों ही जीवन का पोषण करते हैं ।

राज्य में पहली बार गले के नस की दुर्लभ सर्जरी, बुजुर्ग को मिली नई जिंदगी

रायपुर (समय दर्शन)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग में एक दुर्लभ और जोखिमपूर्ण सर्जरी कर 70 वर्षीय मरीज की जान बचाई गई। मरीज के गले की नस कैरोटिड आर्टरी में 95 प्रतिशत ब्लॉकेज था, जिसे कैरोटिड एंडआर्टरेक्टॉमी नामक जटिल सर्जरी से सफलतापूर्वक हटाया गया। यह सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू एवं उनकी टीम द्वारा की गई। डॉ. साहू के अनुसार यह सर्जरी राज्य में इस प्रकार की प्रथम एवं अत्यंत दुर्लभ सर्जरी है।

मरीज को थी लकवे और दृष्टिदोष की शिकायत- बालाघाट निवासी 70 वर्षीय मरीज को पिछले दो वर्षों से बार-बार लकवा, चक्कर, एक आंख से धुंधला दिखना और सुनाई न देने जैसी समस्याएं हो रही थीं। प्रारंभिक जांच के बाद कैरोटिड सीटी एंजियोग्राफी कराई गई, जिसमें पता चला कि मरीज की दाहिनी कैरोटिड आर्टरी में 95त्न से अधिक रुकावट थी। इससे मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति बाधित हो रही थी।

सर्जरी थी बेहद जोखिमभरी- डॉ. के.के. साहू ने परिजनों को स्पष्ट किया कि इस सर्जरी में जान का खतरा हो सकता है, क्योंकि ऑपरेशन के दौरान यदि कोई भी प्लाक का टुकड़ा या हवा का बुलबुला मस्तिष्क में चला जाता तो मरीज ब्रेन डेड हो सकता था। इसके बावजूद मरीज एवं परिजनों ने ऑपरेशन की सहमति दी।

सर्जरी के दौरान कैरोटिड शंट नामक विशेष उपकरण का प्रयोग किया गया ताकि मस्तिष्क में रक्त प्रवाह लगातार बना रहे। ब्लॉकेज हटाने के बाद नस को बोवाइन पेरीकार्डियम पैच से मरम्मत कर पुन: सामान्य किया गया। सर्जरी पूरी तरह सफल रही और मरीज अब स्वस्थ होकर डिस्चार्ज होने की स्थिति में है।

डॉ. साहू के मुताबिक, गले की नस के ब्लॉकेज खोलने की अन्य विधि कैरोटिड आर्टरी स्टेंटिंग है पर सर्जरी जिसको कैरोटिड एंडआर्टरेक्टॉमी कहा जाता है, वह सुरक्षित होता है।

क्या होती है कैरोटिड आर्टरी और क्यों होता है ब्लॉकेज?- कैरोटिड आर्टरी वह मुख्य धमनी होती है जो गले से होते हुए मस्तिष्क तक रक्त पहुंचाती है। इसमें रुकावट का मुख्य कारण होता है — धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अनियंत्रित डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल का जमा होना। 50% तक ब्लॉकेज होने पर आमतौर पर लक्षण स्पष्ट नहीं होते, परंतु से अधिक ब्लॉकेज पर ट्रांजिएंट इस्केमिक अटैक (टीआईए) या छोटे स्ट्रोक जैसे लक्षण सामने आते हैं।

175 बार रक्तदान कर बनाया नवनीत ने बनाया रिकॉर्ड

रायपुर (समय दर्शन)। महावीर इंटरकांटिनेंटल सर्विस आर्गेनाइजेशन रायपुर के सचिव, सामाजिक कार्यकर्ता नवनीत झा ने 175वी बार ब्लड डोनेशन करके नया रिकॉर्ड बना लिया है। वे ऐसा करने वाले देश के नंबर वन रक्तदाता हो गए हैं। विश्व रिकॉर्ड एक ही व्यक्ति के द्वारा 185 बार रक्तदान का है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल थे। उन्होंने रक्तदाता नवनीत झा का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत, अभिनंदन किया। उन्होंने बधाई देते हुए आह्वान किया कि प्रत्येक नागरिक को साल में एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए ऐसा करके हम सामाजिक दायित्व को पूरा कर सकेंगे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय महासचिव लोकेश कावड़िया, अंतर्राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अशोक जैन, प्रदेश अध्यक्ष वीर राजेंद्र जैन, रायपुर चैप्टर के अध्यक्ष वीर अशोक मुकीम , सचिव नवनीत झा, पंकज गुप्ता, संजय गिडीया, महेंद्र ठाकुर, मोतीलाल ओसवाल, चंपालाल प्रजापति

सर्किल स्टेशन लोधीपारा के अध्यक्ष बने राजेन्द्र जंघेल

महिला अध्यक्ष बनीं सविता जंघेल

रायपुर (समय दर्शन)। लोधी क्षत्रिय समाज रायपुर के अधीनस्थ सर्किल स्टेशन लोधीपारा पं. क्रं.2066 में मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमान कृष्ण कुमार सिंगौर एवं पर्यवेक्षक बंधु जंघेल और योगेश जंघेल की उपस्थिति में 6 जुलाई को पालकी रेस्टोरेंट स्टेशन लोधीपारा में निर्वाचन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें महिला एवं पुरूष पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास किया गया। निर्वाचन की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र भी दिया गया। सर्किल अध्यक्ष राजेन्द्र जंघेल, उपाध्यक्ष बाल मुकुंद चंदेल, सचिव सतीश जंघेल, कोषाध्यक्ष प्रकाश जंघेल एवं संयुक्त सचिव मधुसूदन जंघेल चुनें गए। इसी प्रकार सर्किल में महिला पदाधिकारी में सर्किल अध्यक्ष श्रीमती सविता जंघेल, उपाध्यक्ष श्रीमती नीता जंघेल, सचिव श्रीमती पम्पा चंदेल, कोषाध्यक्ष श्रीमती कौशल्या जंघेल, संयुक्त सचिव श्रीमती लक्ष्मी जंघेल को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन कार्यक्रम में कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अधीन जंघेल ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं देकर कहा कि समाज के सभी सदस्य गण समाज सेवा एवं अन्य सेवाओं के माध्यम समाज को आगे बढ़ने के उद्देश्य से अपना अपना योगदान दे रहें है। आशा है कि नवनिर्वाचित सदस्यगण सभी का सहयोग लेकर स्टेशन लोधीपारा सर्किल को एक आदर्श सर्किल एवं स्वस्थ समाज बनाने का पूरा प्रयास करेंगे। इस कार्यक्रम में कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अधीन जंघेल, महासचिव दीपक जंघेल, देवराज जंघेल, कृपा जंघेल, श्रवण जंघेल, ओम जंघेल सहित सर्किल के सभी सदस्य उपस्थित थे।

2161 करोड़ की लूट में अफसर-नेता और कंपनियों की मिलीभगत

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला: EOW ने पेश की अब तक की सबसे बड़ी चार्जशीट

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में सामने आए 2161 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में अधिकारियों, नेताओं और डिस्टलरी मालिकों की साठगांठ का खुलासा हुआ है। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (EOW) ने सोमवार को इस महाघोटाले में पांचवीं चार्जशीट पेश की, जिसमें 30 से अधिक राज्य सेवा के अफसरों को दोषी बताया गया है। 66,000 से ज्यादा पन्नों की इस चार्जशीट को अब तक की सबसे बड़ी और संगठित आर्थिक साजिश का खुलासा माना जा रहा है।

2019-23 के बीच चला 'सिंडिकेट मॉडल'- EOW की रिपोर्ट में बताया गया है कि 2019 से 2023 के बीच आबकारी अफसरों ने सिंडिकेट के साथ मिलकर फर्जी बिल, नकली होलोग्राम, कैश वसूली, ओवररेटिंग और नकली शराब की बिक्री के जरिए राज्य के खजाने को हजारों करोड़ का नुकसान पहुंचाया। चार्जशीट में बैंक ट्रांजेक्शन, कॉल रिकॉर्ड, गवाहों के बयान, डिजिटल

साक्ष्य भी संलग्न हैं।

कौन-कौन है घेरे में?- जनार्दन कौरव, दिनकर वासनिक, नवीन प्रताप सिंह तोमर, विकास गोस्वामी, नीतू नोतानी, इकबाल खान समेत कई अफसरों के नाम

पूर्व विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी के लिए फील्ड में काम करने वाले अफसरों की संलिप्तता

चुनाव फंडिंग में भी इन नामों की संदिग्ध भूमिका

डिस्टलरी मालिकों का खेल: करोड़ों का 'कमीशन मॉडल'- चार्जशीट में कहा गया है कि शराब बिक्री बढ़ाने के लिए राज्य को 8 जोनों में बांटा गया और डिस्टलरी मालिकों से सालाना 70 करोड़ तक कमीशन लिया गया।

वेलकम डिस्टलरी की हिस्सेदारी बढ़ाकर 58%

छत्तीसगढ़ डिस्टलरी घटाकर 14%

भाटिया वाइन को 28% हिस्सेदारी

नवीन केडिया, भूपेंद्र पाल सिंह भाटिया और राजेंद्र जायसवाल जैसे बड़े डिस्टलरी संचालकों पर आपराधिक लिप्तता का आरोप

पार्ट A, B और CÑ तीन स्तरीय घोटाले की संरचना

पार्ट B में सबसे बड़ा खेल

फैक्ट्री में ही नकली होलोग्राम

गैरकानूनी शराब को वैध तरीके से दुकानों में सप्लाई

हर दुकान में अलग से रखा जाता था गल्ला नकदी वसूली के लिए

अवैध शराब पर 560 से बढ़ाकर 600 रुपए प्रति पेटी कमीशन, वैध पर केवल 75–100 रु

सिंडिकेट तय करता था कौन सी शराब बिकेगी

चार्जशीट के अनुसार, यह सिंडिकेट इतना मजबूत था कि प्रदेश में कौन सी ब्रांड बिकेगी और किसकी बिक्री रुकेगी, इसका निर्णय भी वही करता था। ब्रांडेड शराब की कमी इसलिए आई क्योंकि कंपनियां मनचाहा कमीशन नहीं दे रही थीं।

प्रशासन में मचा हड़कंप, पहली बार इतने अफसर चार्जशीटेड- EOW की इस कार्रवाई से प्रशासनिक गलियारों में खलबली है। राज्य के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में अफसरों को चार्जशीट किया गया है।

EOW ने साफ किया है कि यह घोटाला एक संगठित गिरोह की तरह संचालित हुआ, जिसमें नीति, नियम और जनता के पैसे को खुलकर लूटा गया। यह घोटाला केवल आर्थिक नहीं, बल्कि प्रशासनिक, राजनीतिक और संस्थागत व्यवस्था पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है। अब निगाहें न्यायपालिका पर हैं कि क्या इतनी व्यापक लूट और मिलीभगत के आरोपियों को सख्त सजा मिल पाएगी?

संपादकीय

शाब्दिक जोड़ घटाव पर विवाद

लोकतंत्र में संविधान किसी देश की आत्मा का दस्तावेज होता है। इसमें दर्ज एक-एक शब्द सरकार के लिए अपनी जनता के साथ व्यवहार के तौर-तरीके तय करने वाला होता है। भारत में संविधान को अत्यंत पवित्र माना जाता है, और इसकी प्रस्तावना तक में कोई शाब्दिक जोड़ घटाव पर भी विवाद हो सकता है। उपराष्टपति जगदीप धनखड़ की मानें तो संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया। उपराष्टपति ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में इस कार्य को संविधान निर्माताओं की बुद्धिमत्ता के साथ विश्वासघात और नासूर की संज्ञा दी। ज्ञात हो कि 1976 में कांग्रेस सरकार ने प्रस्तावना में 42वें संविधान (संशोधन) के जरिए 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द जोड़े थे। उपराष्टपति के अनुसार जोड़े गए शब्द उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं। यह सनातन की भावना का अपमान है। उपराष्टपति के अनुसार, भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। भारत में यह काम तब किया गया जब विपक्ष के प्रमुख नेता जेल में थे और इसका कोई औचित्य नहीं था। सबसे अहम बात जो उन्होंने की वह यह कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। धनखड़ की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब राष्टीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता दत्तात्रेय होसबोले ने इसी हफ्ते संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा का आह्वान किया है। आरएसएस का कहना है कि ये शब्द कभी भी अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे। होसबोले के बयान से राजनीतिक विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। संघ का तर्क है कि होसबोले का मंतव्य संविधान की 'मूल भावना' को बहाल करने के बारे में है। यहां सवाल उठता है कि 42वें संविधान संशोधन के लगभग 59 साल बाद इस बारे में विवाद का क्या मतलब है? संविधान की प्रस्तावना इसकी मूल भावना को कतई कमजोर नहीं कर सकती। देखा जाए तो सरकार जनता की भलाई के रास्ते पर ही तो चलती है। कोई राजनीतिक विचारधारा इन शब्दों से सहमत हो या न हो लेकिन काम तो इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर ही करती है। वर्तमान भाजपा गठबंधन सरकार की नीति भी तो सबकी भलाई और उन्नति ही है। यह वक्त विवाद खड़ा करने नहीं अपितु संविधान पर ईमानदारी से अमल करने का है। जिन शब्दों के जोड़ने से आज तक कुछ नहीं बिगड़ा, वो हटाए जाने की सूरत में काफी कुछ बिगाड़ सकते हैं।

युद्ध की दिशा अचानक ईरान की ओर

इजरायल और फिलस्तीन के बीच युद्ध का दौर एक सदी से भी पुराना है। पिछले वर्ष भी यह जारी था। इजरायल बराबर गाजा पर हमले कर रहा था। अचानक इस युद्ध की दिशा मुड़ जाती है। इजरायल फिलस्तीन से टकराव को छोड़ कर अचानक ईरान की ओर मुड़ जाता है। फिर 13 जून को ईरान पर जबर्दस्त हवाई हमला करता है। सवाल उठता है कि यह इतना अचानक क्यों? विचारणीय बात यह है कि इजरायल क्यों इतनी खूंरेजी पर आमादा हो गया। उसकी एयर स्ट्राइक का पहला निशाना ईरान के परमाणु क्षेत्र और परमाणु वैज्ञानिक थे। सेनाधिकारियों के अलावा ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए। तो क्या इजरायली हमले का मकसद ईरान का परमाणु अनुसंधान रोकना है। अगर ईरान परमाणु हथियार बनाने के अनुसंधान में लगा है, तो इससे इजरायल का क्या नुकसान है? इस सवाल का जवाब तलाश करने के लिए हम एक बार फिर लौटते हैं इजरायल-फिलस्तीन युद्ध की ओर। इस युद्ध का जनक ब्रिटेन था। उसने ही इजरायली और फिलिस्तीन के मुसलमानों के बीच जंग शुरू कराई। इजरायल में रहने वाले यहूदी मतावलंबी मुसलमानों से वैर मानते हैं। छोटा-सा इजरायल इसी कारण सारे मुस्लिम देशों से वैरभाव रखता है। ईरान भी उनमें एक है, और उसका पड़ोसी मुल्क है। अगर ईरान परमाणु शक्ति संपन्न हो जाता है तो निश्चित रूप से इजरायल के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। जाहिर है कि ऐसे में इजरायल उसे हर हाल में इस कोशिश से विफल करना चाहेगा। इजरायल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को क्षति पहुंचाने के लिए कई बार गुप्त हमले किए। इनमें ईरानी परमाणु कार्यक्रम के जनक मोहसिन फखरीजादेह की हत्या तक करा डाली लेकिन ईरान का परमाणु कार्यक्रम रु का नहीं। इजरायल बराबर प्रयास करता रहा। संयुक्त राष्ट में हिज्बुल्लाह-हमास विरोधी अभियानों का तो समर्थन किया गया था, लेकिन ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला कर उसे तबाह करने के प्रयासों पर वीटो के जरिए रोक लगा दी गई। ऐसे में इजरायल को इंतजार था सही वक्त का और वह वक्त मिला उसे अमेरिका की सत्ता पर दोबारा डोनाल्ड ट्रंप के आने पर। अमेरिका भी ईरान पर परमाणु संधि के लिए दबाव डाल रहा है। इजरायल के हमले से दोनों के लक्ष्य सधते प्रतीत हो रहे हैं। इस संधि के लिए ही ईरान पर दबाव बनाने के लिए इजरायल ने हमला बोला है। दरअसल, यह टकराव सिर्फ ईरान और इजरायल का नहीं है। बेशक, मोर्चे पर ये दोनों देश हैं, लेकिन इनकी सरपरस्ती अलग-अलग देश कर रहे हैं। जब से ट्रंप अमेरिका के दूसरी बार राष्टपति बने हैं, उनका सबसे बड़ा लक्ष्य दुनिया का सबसे बड़ा चौधरी बनने का है। रूस-यूक्रेन टकराव हो, भारत-पाक टकराव या अब ईरान-इजरायल टकराव, हर जगह चौधरी बनना चाहते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने में उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। कारण भी साफ है। रूस अमेरिका से कमजोर नहीं है, और रूस के राष्टपति ब्लादीमिर पुतिन न तो अलग यूक्रेन को मान्यता देंगे और न ही इस बारे में ट्रंप की कोई बात मानेंगे। रही भारत-पाक टकराव के बाद सीजफायर की बात उसमें भी वह अब तक 17 बार दावे कर चुके हैं कि उनके कहने पर ही दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ। इसके उलट ट्रंप को पाकिस्तान से इसलिए प्यार है कि पाकिस्तान को अड्डा बना कर ही अमेरिका ने अफगानिस्तान से रूस का वर्चस्व समाप्त कराया। अब चीन और भारत, दोनों को दबा कर ट्रंप एशिया महाद्वीप में अपनी धाक कायम रखना चाहते हैं। जहां तक इजरायल और ईरान की बात है, वहां भी चौधरी बनने के लिए ट्रंप ने साफ-साफ कहा है कि हमने जो भारत-पाकिस्तान में कराया वही ईरान-इजरायल टकराव में भी कराएंगे।

जी7 के मुकाबले ब्रिक्स देशों की जवाबी रणनीति से अमेरिकी चिढ़ के अंतरराष्ट्रीय मायने को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

अमेरिकी नेतृत्व वाले जी-सेवन के मुकाबले ब्रिक्स देशों की जवाबी रणनीति और उसके बारे में सम्बन्धित देशों के द्वारा ना-नुकुर करते रहने से विफ़्रे अमेरिकी चिढ़ के अंतरराष्ट्रीय मायने स्पष्ट हैं और ये देर-सबेर अमेरिका पर ही भारी पड़ने वाले हैं। यद्यपि डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ ब्रेक के बाद फ़िर से दुनिया में हलचल मचाने लगा है, क्योंकि गत सोमवार को ही उन्होंने अपने मित्र जापान-साउथ कोरिया समेत 14 देशों पर फ़्रेश टैरिफ लगाने का ऐलान किया है।

वहीं इससे पहले ब्रिक्स पर निशाना साधते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंफ ने कहा है कि जो देश अमेरिकी नीतियों के खिलाफ जाएगा, उस पर 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। हालांकि ट्रंप की इस चेतावनी को लेकर ब्रिक्स में शामिल सदस्य देशों ने कड़ी आलोचना की है। इसलिए स्वाभाविक सवाल है कि आखिर ऐसी कौन सी वजह है, जिसे लेकर ब्रिक्स देश ट्रंप के टारगेट पर हैं और इन अतिरिक्त टैरिफ का इन देशों पर क्या असर होगा, जिसमें उसका कथित मित्र भारत भी शामिल है?

उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है। इसके संस्थापक सदस्य देशों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका हैं। दरअसल, इसका नाम भी इन्हीं पांच देशों के पहले अक्षर को लेकर बनाया गया है। ब्रिक्स का उद्देश्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में आर्थिक सहयोग, विकास और वैश्विक संतुलन बढ़ाना है। ब्रिक्स की स्थापना 2009 में हुई और 1 जनवरी 2024 को ईरान, मिस्त्र, इथियोपिया, इंडोनेशिय और संयुक्त अरब अमीरात को भी संगठन में शामिल किया गया था। वैसे तो सऊदी अरब भी इसमें आमंत्रित राष्ट्र के रूप में ग्रुप की गतिविधियों में भाग लेता है, हालांकि अभी तक वह आधिकारिक तौर पर शामिल नहीं हुआ है। शायद अपनी अमेरिकी करीबियों के चलते!

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते 2 अप्रैल को ही दुनिया के तमाम देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ का ऐलान किया था। हालांकि, बाद में इसे 90 दिन के लिए रोक दिया था। इस छूट की डेडलाइन 9 जुलाई को खत्म होने वाली थी, लिहाजा इसे 1 अगस्त 2025 तक बढ़ाया गया है। वहीं, इससे पहले सोमवार 7 जुलाई को ही ट्रंप ने अपना टैरिफबम फोड़ना शुरू कर दिया और जापान-साउथ कोरिया के अलावा म्यांमार, लाओस, दक्षिण अफ्रीका, कजाकिस्तान, मलेशिया, ट्यूनीशिया, इंडोनेशिया, बोस्निया, बांग्लादेश, सर्बिया, कंबोडिया और थाईलैंड पर 25 फीसदी से 40 फीसदी तक टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। इसी बीच उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए ब्रिक्स देशों के लिए एक चेतावनी भी जारी की।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंफ ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा है कि जो भी देश ब्रिक्स की एंटी-अमेरिकन पॉलिसी का समर्थन करेंगे, उन पर 10 फीसदी का एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया जाएगा और अमेरिका की इस नीति में किसी भी तरह की कोई छूट की गुंजाइश नहीं है। इशारा स्पष्ट इशारा भारत की ओर था। यहां बता दें कि ब्राजील के रियो डी जनेरियो में 6-7 जुलाई को संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद जारी एक घोषणापत्र में यूएस टैरिफ की आलोचना की गई थी, जिसके बाद डोनाल्ड ट्रंप की ये तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है।

इसलिए सवाल दर सवाल उभरता है कि आखिर क्या टैरिफकी आलोचना ही एकमात्र कारण है, जिसे लेकर डोनाल्ड ट्रंफब्रिक्स को टारगेट कर रहे हैं, या इसके पीछे और भी कुछ ठोस वजह हैं। यदि ऐसा

है तो क्या क्या है, यह जानना हर किसी के लिए जरूरी है। पहली बात तो ये कि इस साल अमेरिकी करेंसी डॉलर में आई तगड़ी गिरावट और बीते कुछ समय में यूएस इकोनॉमी में सुस्ती के कारण ट्रंप को ऐसा लगता है कि हर कोई अमेरिका के खिलाफ साजिश कर रहा है। वहीं, दूसरा बड़ा कारण दुनिया के तमाम बड़े देशों द्वारा डॉलर के उपयोग को कम करने की दिशा में कदम बढ़ाना भी इसके पीछे की वजह समझा जा सकता है।

इस बात का एक बड़ा उदाहरण देखें, तो स्पष्ट होता है कि ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य देशों में शामिल और आर्थिक रूप से मजबूत रूस और चीन आपस में अपनी करेंसी में ही ट्रेड करते रहे हैं। यही नहीं 2022 में तो रूस ने ब्रिक्स देशों के लिए एक इंटरनेशनल करेंसी का प्रस्ताव भी दिया था। जिससे अमेरिका का चिढ़ना स्वाभाविक है। क्योंकि डॉलर पर बड़े देशों की निर्भरता कम होना अमेरिका के प्रभुत्व के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो सकता है, जिसको लेकर ट्रंप की चिंता बढ़ी हुई है। वहीं, जब से अमेरिका ने ग्लोबल फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर को अपना हथियार बनाया है और ईरान (2012 में) के अलावा रूस (2022 में) को विश्वव्यापी अंतरबैंक वित्तीय दूरसंचार (स्ङ्खढ्ढस्नञ्ज) सोसायटी से बाहर रखा गया है, तभी से दुनिया भर के देशों ने अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी नेतृत्व वाली वैश्विक वित्तीय प्रणाली पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश की है।

सच कहा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स को ऐसे ही टारगेट नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसका एक बड़ा कारण ये भी है कि ब्रिक्स अब वैश्विक आबादी का 45 प्रतिशत हिस्सा है और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद में 35 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। अब अगर वे वैश्विक व्यापार में इस समूह में शामिल बड़े देशों द्वारा डॉलर के उपयोग को कम किया जाएगा, तो ये अमेरिका के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं होगा। वैसे भी डॉलर में इस साल येन-यूरो के मुकाबले 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है और ये बीते दिनों 3 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया था।

वहीं, अमेरिका की एक्स्ट्रा टैरिफ की धमकी के बाद ब्रिक्स के संस्थापक सदस्यों में शामिल ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनसियो लूला दा सिल्वा ने सख्त तेवर दिखाए हैं और 10त्न टैरिफ लगाने की ट्रंप की धमकी को सिरे से खारिज कर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि अब दुनिया बदल चुकी है और हमें कोई सम्राट नहीं चाहिए। उन्होंने ठीक ही कहा कि ब्रिक्स अब वैश्विक अर्थव्यवस्था को व्यवस्थित करने के नए तरीके तलाश रहा है। मुझे लगता है कि यही वजह है कि कुछ बड़े देश/लोग खुद में असहज महसूस कर रहे हैं। वहीं चीन ने भी स्पष्ट कहा है कि ब्रिक्स किसी भी देश के खिलाफ नहीं है।

सनद रहे कि इससे पहले साल 2025 की शुरुआत में ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स देशों को बड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर इसमें शामिल देश वैश्विक व्यापार में डॉलर की भूमिका को चुनौती देंगे, तो फ़िर उन्हें 100 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, ताजा चेतावनी सिर्फ 10 फीसदी की है, जो सुकून की बात है। इस बीच एक अमेरिकी मीडिया की एक रिपोर्ट की मानें, तो इसमें कहा गया है कि अमेरिका का ट्रंप प्रशासन सभी ब्रिक्स देशों पर तत्काल 10त्न टैरिफ लगाने की योजना नहीं बना रहा है, बल्कि अगर कोई भी देश ऐसे कदम उठाता है जिसे वह अमेरिका विरोधी मानता है, तो उसे इस तरह की अमेरिकी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

वहीं, एक बड़ा सवाल ये भी है कि क्या ट्रंफ की ये एक्स्ट्रा टैरिफ की धमकी भारत के लिए भी परेशानी का सबब बन सकती है? ऐसा इसलिए क्योंकि भारत ब्रिक्स के संस्थापक सदस्यों में शामिल हैं। हाल ही में भारत ने ब्रिक्स के उस घोषणापत्र पर साइन किए हैं, जिसमें अमेरिकी टैरिफ की आलोचना की गई। इसलिए ये सवाल भी अहम हो जाता है क्योंकि टैरिफ युद्ध के बीच इंडिया और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर फाइनल मुहर लगना बाकी है। हालांकि, ट्रंप ने सोमवार को 14 देशों पर नए सिरे से टैरिफ का ऐलान करते हुए भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर कहा है कि हम भारत के साथ सौदा करने के करीब हैं। भारत के लिए यह उम्मीद की किरण है।

हालांकि, लोकतंत्र के कथित पहरूए और जनद्रोही पूंजीवाद के कट्टर समर्थक अमेरिका को यदि समझना हो तो उसकी उन नीतियों पर गौर करना लाजिमी है, जिसके बल पर वह पूरी दुनिया को हांकता रहता है। कभी तकनीकी क्रांति और कभी आर्थिक लाभ हेतु डॉलर डिप्लोमेसी का सहारा लेने वाला अमेरिका दुनिया भर में पहले झगड़ा लगाने और फ़िर पंचायती करके लाभ कमाने का आदी रहा है। इसलिए उसकी नीतियों को वक्त वक्त पर अंतरराष्ट्रीय चुनौती भी मिलती रही हैं। भूमंडलीकरण और खुली अर्थव्यवस्था का उन्नायक कब और कैसे मानवता विरोधी खलनायक बन गया, जनशोध का विषय है।

जानकार बताते हैं कि मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का नारा देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उन यूरोपीय, एशियाई, अफ्रीकी, ऑस्ट्रेलियाई, दक्षिण अमेरिकी देशों का असरदार सरदार समझा जाता है, जो दुनिया को दर्द बांटकर उसके कारोबारी सफलता हासिल करने के यत्न दर यत्न का घिनौना समर्थन करते रहते हैं। 20वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में सोवियत संघ (मौजूदा रूस के पड़ोसी देशों का संघ गणराज्य) को चुनौती देकर हथियारों, ड्रग्स सिंडिकेट और कारोबारी सिंडिकेट की आड़ में मानवता को तबाह करने का आरोपी अमेरिका, जब 21वीं के पूर्वार्द्ध में चीन से अनर्गल प्रतिस्पर्धा करता हुआ दिखाई दिया, तो लोगों के मन में सवाल उपजा की, आखिर रूस और भारत के खिलाफ तथा पाकिस्तान के समर्थन हेतु अमेरिका ने जिस चीन में औद्योगिक विकास की रफ्तार दी, आखिर अब वह उसी चीन को अपना कारोबारी दुश्मन क्यों बना बैठा है? उससे भी बड़ा सवाल यह कि एकमात्र यहूदी देश इजरायल विरोधी इस्लामिक देशों को आपस में लड़वाकर और आतंकवादी पैदा करने की फैक्ट्री बनाकर उन्हें बर्बाद करने वाला अमेरिका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब इतना लाचार क्यों है? क्या चीन-रूस-उत्तरकोरिया-ईरान की मिलीभगत से उसकी वैश्विक दुनियादारी जनित थानेदारी खतरे में है? क्या अमेरिका-यूरोप विरोधी इस्लामिक देश भी चीन-रूस के नेतृत्व में गोलबंद होकर अमेरिका को बर्बाद करने पर तुले हुए हैं? क्या आतंकवाद विरोधी रुख पर अमेरिका के साथ खड़ा हुआ भारत अब उसके पुराने पाकिस्तान-बंगलादेश प्रेम की घरवापसी होते ही उससे छिटकने को तैयार बैठा है?

सवाल है कि क्या इजरायल, भारत, रूस, जापान, इंडोनेशिया, जर्मनी, फ्रांस, इटली, इंग्लैंड, यूरोपीय संघ, कनाडा, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, सऊदी अरब और ओआईसी से जुड़े 56 कट्टर मुस्लिम देशों के शह-मात से अमेरिका परेशान महसूस करता है? इजरायल-अरब युद्ध उसके गले की हड्डी बन चुकी है या कारोबारी लाभ के नए नए मौके सृजित कर रही है। दुनिया के कई मजबूत देशों को मजबूर बनाए रखने के लिए उसके पड़ोसियों को भड़काए रखने की अमेरिकी रणनीति है, वह बेहद घातक है। इससे मानवता शर्मशार है। क्योंकि जब अमेरिका के हथियार बिकते हैं तो वहां खुशी की लहर दौड़ती है, लेकिन जब वही हथियार किसी देश या मानवीय समूह पर टूटने लगते हैं तो मानवता कराह उठती है। हालांकि, कुचरा की पारी अंतिम बारी वाली कहावत अब अमेरिका पर भी लागू हो रही है, क्योंकि वह अपने ही सैन्य व आर्थिक चक्रब्युह में घिर गया है और उससे बाहर आने के लिए छटपटा रहा है, क्योंकि अब वह भी अपनी अंतिम गति से वाकिफ हो चुका है!

सवाल है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंफ कभी रूस की तारीफ करते हैं, कभी भारत से डील चाहते हैं, कभी चीन को पुचकारते हैं, कभी यूरोपीय देशों को हड़काते हैं, कभी पाकिस्तानी प्रेम का इजहार करते हैं तप इसके मायने क्या हैं? शायद फूट डालो और राज करो। अब अमेरिका इस बात को समझ चुका है कि रूस, चीन के बाद भारत से जो उसके सैन्य व आर्थिक टकराव होने के आसार बढ़े हैं, वह यूनाइटेड किंगडम की तरह ही अमेरिकी किंगडम को भी बर्बाद कर देंगे। अमेरिका के बारे में आम धारणा है कि ईराक, लीबिया, वियतनाम, सीरिया, अफग़ानिस्तान आदि देशों को बर्बाद करने में उसकी अहम भूमिका है। आज यूक्रेन बर्बादी के कगार पर खड़ा है, कल ताइवान की भी यही दुर्गति हो सकती है, पाकिस्तान को बर्बाद/आबाद करने में उसकी भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन ईरान से जो उसकी शत्रुता है, वही उसके विनाश की बुनियाद रख चुकी है।

जानकार बताते हैं कि जी-7 के देश यानी अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान आदि पश्चिमी खेमे के मुकाबले खड़ा किये गए ब्रिक्स देशों के समूह यानी ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन, दक्षिण अफ्रीका आदि की जो आर्थिक व सैन्य रणनीति है, उससे तीसरे विश्वयुद्ध या परमाणु युद्ध की संभावनाएं ज्यादा बलवती होंगी। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंफ कारोबारी टैरिफ के मुद्दे को लेकर आक्रामक हैं।

हिंसक पशु भी अपने अनुशासन की सीमा में रहना जानता है

विनीत नारायण

शेर बहुत हिंसक प्राणी है यह हम सब जानते हैं। पिछले हफ्ते हम केन्या के विश्व प्रसिद्ध मसाई मारा वन्य अभ्यारण्य में खुली जीप में घूमते रहे। सबसे रोमांचक क्षण वो थे जब हमारी जीप के तीन तरफ चार-पांच बब्बर शेर और शेरनी बैठे थे।

उनसे हमारी दूरी मात्र 10 फीट थी। वो हमें निहार रहे थे और हम उन्हें। वो तो बेफिक्र होकर अपने जिस्म चाट रहे थे और हमारी रूह कांप रही थी कि कहीं हमला न कर दें। हालांकि फारेस्ट गार्ड ने आस्त किया कि ऐसा कुछ नहीं होगा।

हम न सिर्फ उन्हें आधे घंटे तक एकटक निहारते रहे, बल्कि जब वो उठ कर चल दिए तो हम भी धीमी गति से उनका पीछा करते हुए चलते रहे। उन्होंने फिर भी कोई उत्तेजना नहीं दिखाई। कमाल है कि जंगल का सबसे हिंसक पशु भी अपने अनुशासन की सीमा में रहना जानता है, और अपने को सभ्य समाज मानने वाले हम कितने हिंसक हैं कि वाणी से, क्रिया से और विचारों से हमेशा अपने समाज और पर्यावरण के प्रति हिंसा करते रहते हैं।

चाहे हमारे ये क्रियाएं आत्मघाती ही क्यों न हों। केन्या के उस सुनसान जंगल में बैठे-बैठे सोशल मीडिया पर समाचार मिला कि डोनाल्ड ट्रंप भी अब इजरायल और ईरान के युद्ध में कूदने का मन बना रहे हैं। उधर, यूक्रेन और रूस का युद्ध बरसों से लगातार तबाही मचा ही रहा है, और इधर अब यह नया मोर्चा तैयार हो रहा है। क्या ये विश्व युद्ध की ओर बढ़ते कदम नहीं हैं? वैसे तो मानव समाज जब से संगठित हुआ होगा तब से युद्ध उसके जीवन का अंग बने होंगे। इतिहास आज तक हुए लाखों युद्धों की गाथाओं से भरा पड़ा है।

फिर भी मेरे मन में ये दार्शनिक प्रश्न आ रहा है कि इन युद्धों की शुरु आत करने वाले इतने जंगली क्यों होते हैं? क्या उन्हें नहीं दिखता कि युद्ध की विभीषिका में कितने बच्चे अनाथ हो जाते हैं, महिलाएं विधवा हो जाती हैं, बने-बनाए घर-मकान, विशाल भवन आदि सब ध्वस्त हो जाते हैं, युद्ध के गोले-बारूद से पर्यावरण जहरीला हो जाता है, अर्थव्यवस्थाएं लड़खड़ा जाती हैं, विकास अवरुद्ध हो जाता है, और आम जनता तबाह हो जाती है। फिर हर युद्ध के बाद युद्ध विराम होता है, और शांति वार्ताएं होती हैं।

अगर हर युद्ध की परिणति शांति वार्ता ही होनी थी तो फिर ये सब विध्वंस क्यों किया गया? हुक्मरानों से यह सवाल पूछने वाला कोई नहीं होता। सवाल पूछना तो दूर प्राय- आम जनता तो अपनी तबाही के लिए जिम्मेदार नेता की ही मुरीद हो जाती है। युद्ध के उन्माद में उसे मसीहा मान लेती है। जैसा जर्मनी की जनता ने किया। जो हिटलर की आत्महत्या के आखिर क्षण तक यही मानती रही कि वो उन्हें हर बला से बचा लेगा। एक अहमक के फितूर ने जर्मनी को तबाह कर दिया।

प्राय- हर देश में ऐसी मानसिकता वाले लोगों की कमी नहीं है, जो शस्त्र निर्माता लॉबी और भ्रष्ट, अहंकारी और आत्ममुग्ध, अति महत्त्वाकांक्षी अपने नेताओं के प्रोपोगैंडा के प्रभाव में आकर अपना अच्छा-बुरा देखने की क्षमता ही खो बैठती है। ट्रंप के समर्थक मतदाताओं का भी अमेरिका के चुनाव से पहले यही हाल था। मैं कभी सैन्य विज्ञान का विद्यार्थी नहीं रहा। इसलिए युद्धों के कारण की सैद्धांतिक व्याख्या करने का दुस्साहस नहीं करूंगा पर एक संवेदनशील आम नागरिक होने के नाते यह सोचने और पूछने का हक तो रखता ही हूं कि आखिर ये युद्ध किसके हित में होते हैं?

उस जनता के हित में तो बिल्कुल नहीं होते जिसके खून-पसीने की कमाई पर वसूले गए टैक्स के अरबों रु पये ऐसे युद्धों में फूंक दिए जाते हैं। सफेद हाथी की तरह बैठा सयुंक्त राष्ट (संघ) आज तक एक भी युद्ध नहीं रोक पाया। क्या कोई पुतिन, ट्रंप या तालिबानी नेता उसकी सुनने को तैयार है? फिर भी सयुंक्त राष्ट के नाम पर दुनिया में दशकों से नौटंकी चल रही है। आज इस लेख में समाधान प्रस्तुत करने वाला कोई विचार मेरे पास नहीं हैं।

पर एक फिक्र जरूर खाए जा रही है कि आज दुनिया एक अजीब दौर से गुजर रही है जहां अशांति तथा असुरक्षा और पर्यावरण का विनाश तेजी से बढ़ रहा है और मानवीय संवेदनशीलता उतनी ही तेजी से घट रही है। डोनाल्ड ट्रंप को ही लें जिनके स्वागत में हमने पलक-पांवड़े बिछाए थे, वो अपने देश में घुसे अवैध भारतीयों को हथकड़ी और बेड़ियों में बांध कर वापस भेज रहे हैं जबकि दूसरे देशों के ऐसे लोगों को ससम्मान भेज जा रहा है। ट्रंप वहां रह रहे भारतीयों के वीजा खत्म करने की धमकी दे रहे हैं। इससे डर कर कितने सफल युवा अमेरिका के अपने सपने को चूर-चूर होते देख घर लौट रहे हैं। दरअसल, ये हुक्मरान आम जनता को चैन से जीने नहीं देना चाहते। उसे हमेशा डरा-दबा कर रखना चाहते हैं।

इन सबसे तो जंगल का राजा शेर कहीं ज्यादा अमन पसंद है, जो अपना पेट भरने के बाद अकारण किसी पर हमला नहीं करता। हम तो उससे कहीं ज्यादा हिंसक हो चुके हैं। फिर भी ठहर कर सही और गलत पर सोचने का समय नहीं है आज हमारे पास। आज जब सूचना क्रांति ने पूरी दुनिया के लोगों को इस तरह जोड़ दिया है कि सैकंडों में सूचनाएं दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंच जाती हैं, तब क्या युद्ध और पर्यावरण के विनाश को रोकने के लिए हर देश की जागरूक जनता सोशल मीडिया पर संगठित होकर ऐसे हुक्मरानों पर दबाव नहीं बना सकती जो इस विनाश के कारण बन रहे हैं? दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षो में कई देशों में विरोध के स्वरों को दबाने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।

पहले ऐसा केवल तानाशाह या सैन्य सरकारों में होता था पर अब कुछ देशों की लोकतांत्रिक सरकारें भी विरोध के स्वरों को दबाने में हिचकती नहीं हैं। इसके दुष्परिणाम न केवल उस देश की जनता को भोगने पड़ते हैं, बल्कि वो हुक्मरान भी जमीनी सच्चाई से कट जाते हैं, और चाटुकारों से घिर कर आत्मघाती कदम उठा लेते हैं, जैसा श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1975 में आपातकाल लगा कर किया था। बाद में उन्हें चुनावों में जनता का कोप भाजन बनना पड़ा था। इसलिए हर लोकतांत्रिक सरकार को विरोध के स्वरों को मुक्त रूप से सामने आने देना चाहिए। इससे उसे अपनी हकीकत जानने का मौका मिलता है।

(लेख में विचार निजी हैं)

भौम प्रदोष व्रत के दिन संध्या पूजन का विशेष महत्व

इस साल जुलाई के महीने में भौम प्रदोष का व्रत रखा जाएगा। मंगवार के दिन प्रदोष व्रत पड़ने से इसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाएगा। भौम प्रदोष व्रत के दिन संध्या पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। ये व्रत महादेव को समर्पित है। पंचांग के अनुसार, हर महीने के शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर भक्त प्रदोष व्रत रखते हैं।
मान्यतानुसार प्रदोष व्रत पर भगवान शिव की पूजा करने पर आरोग्य का वरदान मिलता है, जीवन में खुशहाली आती है, वैवाहिक जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और सुख-समृद्धि आती है। ऐसे में यहां जानिए जुलाई के महीने में किस दिन रखा जाएगा।
प्रदोष व्रत और कैसे की जा सकती है भगवान शिव की पूजा।

भौम प्रदोष व्रत कब है

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 7 जुलाई देर रात 11 बजकर 10 मिनट पर शुरू हो रही है और इस तिथि का समापन 9 जुलाई की रात 12 बजकर 38 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। ऐसे में 8 जुलाई, मंगलवार के दिन प्रदोष व्रत रखा जाएगा। मंगलवार के दिन पड़ने के चलते इसे भौम प्रदोष व्रत कहते हैं।

प्रदोष व्रत की पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन सुबह उठकर स्नान पश्चात महादेव का स्मरण किया जाता है और व्रत संकल्प लिया जाता है। इस दिन भक्त भगवान शिव के मंदिर सुबह के समय भी जाते हैं, लेकिन प्रदोष व्रत की असल पूजा रात के समय ही संपन्न की जाती है। प्रदोष व्रत की पूजा के लिए दिनभर व्रत रखा जाता है और शाम के समय शिवलिंग पर गंगाजल से अभिषेक किया जाता है और शिवलिंग के समक्ष धतूरा, भांग, सफेद फूल और फल आदि अर्पिक किए जाते हैं। भोग में महादेव को फल और मिठाइयों का ही भोग लगाया जाता है। प्रदोष व्रत की कथा पढ़ी जाती है, मंत्रों का जाप किया जाता है और आरती करके पूजा का समापन होता है।

भौम प्रदोष व्रत की पूजा का शुभ मुहूर्त

प्रदोष व्रत की पूजा रात के समय प्रदोष काल में की जाती है। ऐसे में भौम प्रदोष व्रत के दिन शाम 7 बजकर 23 मिनट से 9 बजकर 24 मिनट तक पूजा का शुभ मुहूर्त बन रहा है। इस मुहूर्त में पूजा संपन्न की जा सकती है।

घर के लिए लकी हैं ये 7 पेंटिंग्स

नया-नया घर लिया है? अब सोच रहे हैं कि किस तरह की पेंटिंग्स ली जाए जिससे घर के हर एक कोने में जान सी आ जाए? अगर आप घर के लिए पेंटिंग्स लेने वाले हैं तो एक बार वास्तु शास्त्र के नजरिए भी जान लें कि क्या करना ठीक होगा। नीचे हम आपको कुछ ऐसी तस्वीरें दिखाएंगे जो वास्तु के लिहाज से बहुत सही हैं। अगर आप ऐसी पेंटिंग्स घर में लगाएंगे तो ना सिर्फ घर की खूबसूरती ही बढ़ेगी बल्कि आपको इसके खूब फायदे भी मिल जाएंगे। तो चलिए जानते हैं कि आखिर वो तस्वीरें कौन सी हैं?

वाटरफॉल की तस्वीर

अगर आप जिंदगी में नई शुरुआत करना चाहते हैं तो वाटरफॉल की तस्वीर घर में लगा लेंगे तो खूब फायदे मिलेंगे। इस तस्वीर को आप उत्तर दिशा में लगाएंगे तो बेहतर होगा। यहां ध्यान देने वाली बात ये है कि ऐसे वाटरफॉल की तस्वीर ही खरीदें जिसमें पानी शांत दिख रहा हो।

7 घोड़े वाली तस्वीर

7 घोड़े वाली पेंटिंग आपके घर के सारे दोष खत्म कर सकता है। 7 घोड़ों का एक साथ होना काफी शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र में इसे मजबूती और तरक्की प्रतीक माना गया है। इस तस्वीर को घर में लगाने से हर चीज का बैलेंस बना रहेगा। साथ ही घर में सुख शांति का भी एहसास होगा।

पहाड़ों की तस्वीर

घर में पहाड़ों की तस्वीर भी रखना शुभ है। वास्तु शास्त्र के अनुसार जिस भी घर में ऐसी तस्वीर होगी, वहां के सभी सदस्यों के बीच अच्छे संबंध होंगे। ऐसी तस्वीरों को आप अपने लिविंग एरिया में लगा सकते हैं।

कामधेनु की तस्वीर

वास्तु शास्त्र में कामधेनु की तस्वीर का खास महत्व है। माना जाता है कि जिस भी घर में कामधेनु की तस्वीर होगी, वहां पर सभी सदस्य शांति और सुख से रहेंगे। उनकी जिंदगी में आने वाली कोई भी बाधा समाप्त हो जाएगी। बता दें कि कामधेनु को मनोकामना पूरी करने वाली गाय माना गया है। घर में अगर आप इसे उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएंगे तो इसके अनेक फायदे होंगे।

ट्री ऑफ लाइफ की तस्वीर

ट्री ऑफ लाइफ का मतलब है जीवन वृक्ष। इसका जिक्र कई जगह है। माना जाता है कि ये हर तरह की कामना को पूरी करता है। घर के लिविंग एरिया में आप इसे पश्चिम दिशा की ओर ही लगाइए। सानी से पूरे हों।

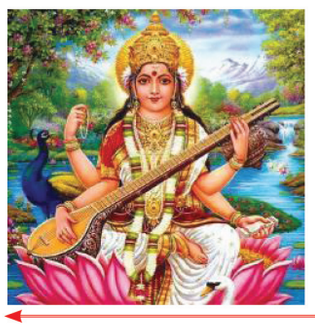

सरस्वती मां की तस्वीर

अगर फोकस की कमी है तो मां सरस्वती की तस्वीर को घर में लगाइए। इसे पश्चिम दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। इस तस्वीर को बच्चों की स्टडी रूम में लगाएंगे तो ज्यादा बेहतर होगा। इससे बच्चे एक्राग होकर अपना काम कर सकेंगे।

फूलों की तस्वीर

अगर फूलों वाली रंग बिरंगी तस्वीर लगा देंगे तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। इसे लिविंग एरिया या फिर अपने बेडरूम में लगा सकते हैं। इस तस्वीर को घर की पूर्व दिशा में लगाएंगे तो खूब बरकत मिलेगी।

दिन भर थक हारने के बाद आप अपना दिन कैसे खत्म करते हैं? घंटों फोन पर स्क्रोलिंग कर हुए या अपना मनपसंद टीवी शो देखते हुए? यह जानना इसलिए बेहद जरूरी है क्योंकि नाइट टाइम रूटीन का सीधा असर हमारी मेंटल और फिजिकल हेल्थ दोनों पर पड़ता है। कई बार हम जाने-अनजाने ऐसी चीजें कर रहे होते हैं, जो धीरे-धीरे हमारी हेल्थ को काफी नुकसान पहुंचा रही होती हैं। फेमस गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट के अनुसार हमारी मेंटल और फिजिकल हेल्थ दोनों पर उन्होंने ऐसी चार चीजों का जिक्र किया है जो वो रात में सोने से पहले अवॉइड करते हैं। ये आदतें डाइजेशन के साथ स्लीप क्वालिटी को भी प्रभावित करती हैं। चलिए इन्हीं के बारे में जानते हैं।

भारी-भरकम खाना खाने से बचें

गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट बताते हैं कि वो कभी भी रात में ज्यादा भारी-भरकम खाना नहीं खाते हैं, खासतौर से सोने से ठीक पहले। जब आप बेडटाइम के पहले हेवी मील लेते हैं, तो इससे पाचन खराब होता है।
इंसुलिन का लेवल स्पाइक होता है, साथ ही स्लीप क्वालिटी भी प्रभावित होती है। सोने से पहले हर हाल में दो या तीन घंटे पहले डिनर फिनिश कर लेते हैं।

सोने से पहले फोन स्क्रॉल करना

रात को सोने से पहले बेड पर लेट कर फोन चलाने में बेशक मजा आता हो, लेकिन ओवरऑल हेल्थ के लिए ये आदत बिल्कुल अच्छी नहीं है।
सोने से ठीक पहले अगर आप फोन पर स्क्रॉल करते रहते हैं, तो इससे निकलने वाली ब्ल्यू लाइट मेलाटोनिन के प्रोडक्शन को प्रभावित करती है। फिर होता यूं है कि घंटों करवटें बदलने के बाद भी आपको नींद नहीं आती, जिसका असर आपकी मेंटल और फिजिकल हेल्थ दोनों पर पड़ता है। डॉक्टर बताते हैं कि वो सोने से कम से कम एक घंटा पहले ही फोन चलाना बंद कर देते हैं।

देर रात कैफीन का सेवन करना

कुछ लोगों को रात में चाय या कॉफी पीने की आदत होती है, लेकिन हेल्थ के लिहाज से ये आदत बिल्कुल सही नहीं है। गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट के अनुसार कैफीन की हाफ लाइफ पांच से छह घंटे की होती है। इसलिए वो सोने से कम से कम छह घंटे पहले चाय या कॉफी पीना अवॉइड करते हैं। ऐसा करने से स्लीप की क्वालिटी भी प्रभावित नहीं होती।

तनाव ले कर सोना

लाइफ में थोड़ा बहुत स्ट्रेस होना नॉर्मल है लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें। कभी भी किसी बात का ज्यादा स्ट्रेस ले कर सोने ना जाएं। डॉक्टर सेठी बताते हैं कि मेंटल स्ट्रेस का सीधा असर आपकी गट हेल्थ पर पड़ता है। अगर आप जरूरत से ज्यादा तनाव ले कर बेड पर जाते हैं, तो गट हेल्थ भी खराब होती है। इसका असर आपकी ओवरऑल मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर पड़ता है। डॉक्टर बताते हैं कि वो दिमाग को शांत रखने के लिए सोने से पहले डीप ब्रीदिंग और योग निद्रा का सहारा लेते हैं।

बारिश के मौसम में वॉर्डरोब में करें बदलाव

बरसात का मौसम दस्तक दे चुका है। बारिश की फुहारें तपती गर्मी के बाद बेहद सुहानी लग रही हैं। अब तो अदरक वाली गर्मागर्म चाय और कुरकुरे पकौड़ों की खुशबू से घर महका करेगा। बारिश के मौसम का इससे शानदार स्वागत भला और क्या हो सकता है! वैसे क्या आपने इस मौसम के लिए सभी जरूरी तैयारियां कर ली हैं? अलमारी में से छतरी और रेनकोट तो निकाल ही लिए होंगे, लेकिन क्या आपका वॉर्डरोब भी मानसून के लिए तैयार है? अगर आपको लगता है कि बरसात के मौसम में भी गर्मियों वाले वॉर्डरोब से काम चल जाएगा, तो ये आपकी गलतफहमी है। वैसे भी गर्मियों में जब सूरज आग उगलता है, तो बेहद हल्के रंग और कॉटन जैसे फैब्रिक से बने कपड़े पहन कर ही राहत मिलती है। वहीं मानसून में जब हर तरफ कुदरत रंग बिखेर रही होती है, तो कपड़े भी शोख और चटकीले रंग के ही अच्छे लगते हैं। मानसून के लिए आपका वॉर्डरोब कैसा हो, आइए जानें :

फैब्रिक हो ठीक :- बरसात के मौसम में उमस बढ़ जाती है, जिससे कपड़े शरीर पर चिपकने लगते हैं। ऐसे में यदि बारिश में भीग जाएं तो कपड़े पारदर्शी भी लगने लगते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए ऐसा फैब्रिक चुनें जो जल्दी सूख जाएं और भीगने पर पारदर्शी भी न लगे। इस लिहाज से पॉलिएस्टर और जॉर्जेट जैसे सिंथेटिक कपड़े अच्छे रहते हैं क्योंकि ये बहुत जल्दी सूख जाते हैं। यदि कॉटन पहनना हो तो थोड़ा मोटा कॉटन चुनें, ताकि भीगने पर भी वह पारदर्शी न लगे।
चुनें शोख और चटक रंग :- मानसून में चारों ओर हरियाली छा जाती है और पेड़-पौधों पर भी रंग-बिरंगे फूल खिलने लगते हैं। ऐसे में आपके कपड़ों का रंग भी प्रकृति की खूबसूरती से मेला खाता होना चाहिए। इस मौसम में चटक हरा, शोख गुलाबी, फिरोजी, कोबाल्ट ब्लू, सनी येलो और नारंगी जैसे नियॉन रंग विशेष रूप से आकर्षक लगते हैं। यदि ये रंग आपके हिसाब से ज्यादा चटक हैं तो इन्हें अपनी ऐक्सेसरीज या किसी एक कपड़े में शामिल करें। जैसे सॉलिड कलर के प्लेन सूट के साथ चटक रंग का दुपट्टा या बेसिक ब्लू जींस के साथ कोई शोख रंग की टॉप पहनी जा सकती है।

मोनोक्रोम लु लगेगा अच्छा
आजकल सिर से पांव तक एक ही रंग के कपड़े पहनने का चलन भी बहुत जोरों पर है। जिन महिलाओं को अपने कपड़ों में बहुत सारे रंग इस्तेमाल करना पसंद नहीं, उनके लिए यह ट्रेंड बहुत काम का है। उदाहरण के लिए डेनिम की जींस के साथ डेनिम की ही शर्ट या एक ही रंग का को-ऑर्ड सेट आपको भीड़ से अलग दिखाने के लिए काफी है। थोड़ा और बोल्ड लुक पाने के लिए आप अपने ऑउटफिट के रंग से मेल खाते फुटवियर और साथ में उसी रंग का छाता भी कैरी कर सकती हैं।

पुराने फैशन की वापसी
मौसम की तरह पुराना फैशन भी लौटकर आता है। अस्सी के दशक में बोल्ड स्ट्राइप्स, चंकी ज्वेलरी और हाई वेस्ट जींस खूब पहना जाता था। यही स्टाइल दोबारा लौट आया है। अपने लुक में थोड़ा ड्रामा डालने के लिए छतरी की बजाय ओवरसाइज्ड रेनकोट का चुनें। कपड़ों में भी बड़े और बोल्ड प्रिंट्स, धारियां और पैटर्न चुनें। लुक को पूरा करने के लिए लेयर्ड नेकलेस और बड़े-बड़े हूप्स इयररिंग पहनें।

बच्चों के साथ जरूर टाइम स्पेंड करें पैरेंट्स

अच्छी परवरिश के लिए सिर्फ यही जरूरी नहीं है कि बच्चे को सही-गलत का फर्क और सामाजिक तौर-तरीके सिखाए जाएं। इसमें पैरेंट्स और बच्चों के बीच की बॉन्डिंग भी आ जाती है। अगर दोनों के बीच के रिश्ते ही सही ना हों, तो फिर कुछ और मायने ही नहीं रखता। अक्सर देखा जाता है कि उम्र बढ़ने के साथ-साथ बच्चों और पैरेंट्स के बीच दूरियां आने लगती हैं। ज्यादातर मामलों में ऐसा बातचीत की कमी और साथ में समय ना बिताने के चलते ही होता है। हालांकि अगर बचपन से ही बच्चे के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड किया जाए तो पैरेंट्स और बच्चों के बीच के रिश्ते बहुत गहरे हो सकते हैं। आइए जानते हैं दिन के वो कौन से नौ मिनट हैं, जब पैरेंट्स को बच्चों के साथ जरूर टाइम स्पेंड करना चाहिए।

सुबह उठने के बाद बच्चे के साथ बिताएं 3 मिनट

अक्सर पैरेंट्स बच्चों को सुबह हड़बड़ी में उठाते हैं और फिर तुरंत उन्हें स्कूल के लिए रेडी करना शुरू कर देते हैं। जबकि एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर दिन की शुरूआत बेहतर तरीके से की जाए तो उसका असर सारे दिन पर पड़ता है। इसलिए हमेशा बच्चे को सुबह उठाने के बाद कम से कम तीन मिनट उनके साथ बिताएं। इस दौरान उन्हें ढेर सारा प्यार दें, कुछ पॉजिटिव बातें उनसे कहें। इससे बच्चे के दिन की शुरुआत भी बेहतरीन होगी और उसका माइंडसेट भी पॉजिटिव होगा।

स्कूल से आने के बाद वाले 3 मिनट

बच्चा जब स्कूल से आए या आप ऑफिस से आएं तो कुछ देर बच्चे के साथ जरूर टाइम स्पेंड करें। दरअसल इस दौरान जब बच्चा आपसे काफी देर के लिए दूर रहता है तो उसके पास आपसे कहने को ढेर सारी चीजें होती हैं। ऐसे में आपका भी फर्ज बनता है कि आप उनसे उनके दिन के बारे में पूछें और उन्हें बताएं कि आपने उन्हें कितना मिस किया। इससे बच्चा आपके साथ कंफर्टेबल होगा और आपके बीच की बॉन्डिंग भी मजबूत होगी। बच्चे का चिड़चिड़ापन और थकान दूर करने का भी ये एक अच्छा तरीका है।

सोने से पहले तीन मिनट बच्चे के साथ स्पेंड करें

अक्सर पैरेंट्स बच्चों को जल्दी-जल्दी सोने के लिए भेज देते हैं। जबकि सोने से ठीक पहले का समय काफी इंपोर्टेंट होता है। बच्चे के साथ इमोशनली कनेक्ट करने के लिए ये समय बेस्ट होता है। इसलिए सोने से पहले कम से कम तीन मिनट तक बच्चे के साथ स्पेंड करें। उन्हें बताएं कि आप उन्हें कितना प्यार करते हैं, वो आपके लिए कितना मायने रखते हैं। इसके अलावा उनके मन की बात सुनें और कुछ पॉजिटिव बातों से दिन खत्म करें। इस तरह बच्चे के साथ आपकी बॉन्डिंग भी मजबूत होगी और बच्चे आपके साथ इमोशनली भी खुल पाएंगे।

मानसून में घर पर बनाएं आलू वाले समोसे

समोसे का आटा बनाने के लिए सामग्री

मैदा- 1.5 कप, नमक आधा छोटा चम्मच, अजवाइन आधा छोटा चम्मच, तेल 2 टेबलस्पून (मोयन के लिए), पानी आवश्यकतानुसार (गूंथने के लिए), भरावन के लिए, उबले हुए आलू 3 मीडियम साइज (मसले हुए), उबले मटर आधा कप, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, अदरक एक छोटा चम्मच कद्दूकस किया हुआ, धनिया पाउडर एक छोटा चम्मच, लाल मिर्च आधा छोटा चम्मच, अमचूर पाउडर आधा छोटा चम्मच, गरम मसाला स्वादानुसार, नमक स्वादानुसार, हरा धनिया 1 टेबलस्पून (कटा हुआ), तेल एक टेबलस्पून (भरावन भूनने के लिए), समोसा तलने के लिए तेल

समोसा बनाने की आसान विधि

सबसे पहले मैदे में नमक, अजवाइन और तेल डालकर अच्छे से मिला लें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर कड़ा आटा गूंथ लें। आटे को ढककर 20 मिनट के लिए अलग रख दें। इसके बाद एक कड़ाही में थोड़ा तेल गर्म करें। अब उसमें अदरक और हरी मिर्च डालकर भून लें। इसके बाद उसमें उबले हुए आलू और मटर डालें। फिर सभी मसाले डालें और 4 से पांच मिनट तक अच्छे से भून लें। हरा धनिया मिलाकर इसको ठंडा होने के लिए रख दें। अब आटे की छोटी-छोटी लोइयां बना लें। इन्हें बेलकर ओवल यानी कि अंडाकार शेप में काट लें। ध्यान रहे कि इसे बीच से काटकर दो आधे भाग बनाना हैं। अब एक हिस्सा लेकर कोन बनाएं और उसमें फिलिंग भरें। किनारों पर थोड़ा पानी लगाकर समोसे को सील कर दें। सारे समोसे इसी तरह बना लें। अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें। समोसों को धीमी आंच पर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। आपका समोसा तैयार है। आप इसे हरी चटनी, इमली की चटनी या चाय के साथ गरमा-गरम परोस सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

यातायात पुलिस की सख्त कार्रवाई : स्कूल बसों की चेकिंग, 13 वाहनों का 7100 रुपये का चालान

दंतेवाड़ाः यातायात पुलिस ने पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में स्कूल बसों और अन्य वाहनों की सघन चेकिंग अभियान चलाया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.के. बर्मन और उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) नसर उल्लाह सिद्धिकी के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद कुमार साहू ने सड़क दुर्घटनाओं और मृत्युदर में कमी लाने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की।अभियान के दौरान निजी स्कूल बसों, जो बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने के लिए संचालित होती हैं, की विशेष जांच की गई। शिकायतों के आधार पर, जहां बसों में सीटों से अधिक बच्चों को बिठाने की बात सामने आई थी, सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए बस संचालकों और चालकों को समझाइश दी गई।साथ ही, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 13 वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 7,100 रुपये का समन शुल्क वसूला गया। अभियान में वाहन चालकों को स्पष्ट लाइट न लगाने, सीट बेल्ट और हेलमेट का उपयोग करने, शराब पीकर वाहन न चलाने, बिना लाइसेंस वाहन न चलाने, मालवाहक वाहनों में सवारी न ले जाने, ओवरस्पीडिंग से बचने, नाबालिगों को वाहन न चलाने देने और डिपर-अपर का उपयोग करने जैसे नियमों का पालन करने की सलाह दी गई। ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़।

टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस को भारत एनसीएपी के तहत 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग मिली

बैंगलोर : सुरक्षा के प्रति टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की अडिग प्रतिबद्धता के एक महत्वपूर्ण प्रमाण के रूप में, बहुप्रशंसित इनोवा हाईक्रॉस को भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत एनसीएपी) के तहत 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग दी गई है। यह भारत की सबसे व्यापक वाहन सुरक्षा मूल्यांकन संरचना है। इस उपलब्धि से अपने मूल्यवान ग्राहकों को हमेशा सुरक्षित मोबिलिटी समाधान प्रदान करने की कंपनी की अटूट और अंतर्निहित चाहत का पता चलता है। वयस्क और बच्चे - दोनों तरह के सवारों की सुरक्षा के लिए 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग प्राप्त हुई है। इससे पहले आज नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कॉरपोरेट मामले एवं गवर्नेंस के कंट्री हेड एवं ईवीपी श्री विक्रम गुलाटी और सीसीओ, एसवीपी एवं राज्य मामलों के प्रमुख श्री सुदीप दलवी को प्रमाण पत्र सौंपा। सुरक्षा के लिए इंजीनियर किया गया, उद्देश्य के लिये डिजाइन किया गया टोयोटा न्यू ग्लोबल आर्किटेक्चर (टीएनजीए) प्लैटफ़ॉर्म पर निर्मित, इनोवा हाईक्रॉस को दुर्घटना सुरक्षा और संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अपनी ठोस आर्किटेक्चर के अलावा, हाईक्रॉस सक्रिय और निष्क्रिय सुरक्षा सुविधाओं की एक श्रृंखला से सुसज्जित है जो इसे उद्योग में सबसे सुरक्षित वाहनों में से एक बनाती है। इनमें शामिल हैं:

टोयोटा सेफ्टी सेंस (टीएसएस) - ड्राइवर सहायता सुइट जिसमें प्री-कोलिजन सिस्टम, लेन ट्रेस असिस्ट, डायनेमिक रडार क्रूज़ कंट्रोल, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटर और ऑटोमैटिक हाई बीम शामिल हैं

छह एयरबैग, जो यात्रियों को सम्पूर्ण सुरक्षा प्रदान करते हैं

वाहन स्थिरता नियंत्रण (वीएससी) और ट्रैक्शन (कर्षण) नियंत्रण (टीआरसी)

इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रीब्यूशन (ईबीडी) के साथ एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस)

हिल-स्टार्ट असिस्ट कंट्रोल, रियर पार्किंग कैमरा, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर तथा ऑल-व्हील डिस्क ब्रेक

सफलता की कहानी : बाला कांसेप्ट से संवर रहा नन्हें बच्चों का भविष्य

चित्रों से सजी दीवारें, बच्चों को दे रही सीख, बाला कांसेप्ट पर बना अमलीडीह का नवीन आंगनबाड़ी भवन

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। /जिले के मगरलोड विकासखंड की ग्राम पंचायत अमलीडीह स्थित नवीन आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की चहल-पहल देखते ही बनती है। दीवारों पर बने रंग-बिरंगे शिक्षाप्रद चित्र, अक्षर, संख्याएं, फ्ल-फूल, जानवर और सांस्कृतिक प्रतीक बच्चों को न सिर्फ आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि उनके शैक्षणिक और मानसिक विकास में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह बदलाव बाला कांसेप्ट के तहत हुआ है, जिसमें भवन की दीवारों और जमीन को बच्चों के लिए शिक्षण उपकरण में बदला गया है। ये वही बाला कांसेप्ट है जहां भवन ही शिक्षक बन गया है। बाला कांसेप्ट यानी भवन को शिक्षा के लिए माध्यम बनाना। अमलीडीह आंगनबाड़ी की दीवारों पर अंग्रेजी और हिंदी वर्णमाला, गणित की संख्याएं, रंग पहचान, पर्यावरण चित्र, शरीर के अंग, स्वच्छता संदेश और छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति से जुड़े चित्र बनाए गए हैं। जमीन पर खेल आधारित लर्निंग जैसे-गिनती, रंग वर्गीकरण, दिशा ज्ञान आदि बनाए गए हैं। इसी से बच्चों का आकर्षण और सीखने की रुचि बढ़ी हुई है। बच्चों में इन चित्रों के प्रति उत्साह और लगाव साफ-साफ दिखाई देता है। अब 3 से 6 वर्ष के बच्चे चित्र देखकर वर्ण पहचानते हैं। रंग-बिरंगे जानवर, फ्ल-फूल, पक्षी उन्हें सहज रूप से वर्णन करना और बोलना सिखा रहे हैं। कई बच्चे अब चित्र देखकर ही हिंदी-अंग्रेजी वर्णमाला गाने लगे हैं।

ग्राम पंचायत अमलीडीह की सरपंच श्रीमती जितेन्द्री कांशी ने बताया कि वार्ड क्रमांक 4 स्कूल पारा में नवीन आंगनबाड़ी भवन निर्माण के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत 08 लाख रूपये, अभिसरण की राशि 15 वें वित्त से 1.69 लाख रूपये, महिला एवं बाल विकास विभाग से 2 लाख रूपये कुल 11 लाख 69 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति से निर्मित किया गया है। नवीन आंगनबाड़ी का क्षेत्रफ्ल 11.60 मीटर लंबाई एवं 9.85 मीटर चैड़ाई है। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी बच्चों का दूसरा घर है। यह आंगनबाड़ी भवन गांव के नन्हें बच्चों का भविष्य गढ़ने वाला केन्द्र है। अब मगरलोड के अन्य गांवों में भी बाला कांसेप्ट को अपनाने की तैयारी हो रही है, जिसमें किचन गार्डन भी बनाये जायेंगे। इनमें आंगनबाड़ी के साथ-सानिवागांव, सोनामगर, बेलरगांव जैसे गांवों के कार्यकर्ता अमलीडीह के केंद्र का दौरा कर चुके हैं। यह इस केन्द्र की बड़ी उपलब्धि है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती हेमलता यादव बताती हैं कि पहले बच्चे आकर खेलकर चले जाते थे। अब वे दीवारों को देखकर खुद से सीखते हैं। चित्र उन्हें बांधकर रखते हैं, अब बच्चे ही नहीं पालक भी आंगनबाड़ी से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं। पालक खुद आकर देखते हैं की उनका बच्चा क्या सीख रहा है। चित्रों, रंगों और शिक्षाप्रद गतिविधियों ने पालकों का भरोसा बढ़ाया है। सीईओ जिला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने बताया कि अमलीडीह का यह आंगनबाड़ी केंद्र पूरे विकासखंड के लिए एक मॉडल बन गया है। बाला कांसेप्ट के जरिए छोटे बच्चों में सीखने की प्रवृत्ति स्वाभाविक बनती जा रही है।

नि:शुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण : 60 महिला प्रशिक्षणार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत लाइवलीहुड कॉलेज धमतरी में संचालित रोजगारपरक कौशल विकास कार्यक्रम का समापन हुआ। एक से 7 जुलाई तक आयोजित यह प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण, तकनीकी शिक्षा संचालनालय एवं नांदी फाउण्डेशन, नई दिल्ली के त्रिपक्षीय समझौता के तहत किया गया था। इसमे 60 महिला प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सॉफ्ट स्किल्स, लाइफ स्किल्स, टीमवर्क, संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता, इंटरव्यू की तैयारी जैसे विभिन्न व्यावसायिक और व्यक्तिगत विकास से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य वंचित एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को रोजगार के लिए तैयार करना एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। प्रशिक्षण उपरांत प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर श्री अविनाश मिश्रा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया गया। समापन अवसर पर महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण से उनके आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और वे अब बेहतर रोजगार की दिशा में अग्रसर हो सकेंगी। कार्यक्रम में नांदी फाउंडेशन की टीम, लाइवलीहुड कॉलेज के प्रशिक्षकगण उपस्थित रहे।

महिंद्रा **FURIO** 8: हल्के वाणिज्यिक वाहनों की श्रेणी में गारंटीकृत सर्वाधिक माइलेज और सर्वाधिक मुनाफा देने वाला ट्रक

मुंबई: महिंद्रा ग्रुप की इकाई, महिंद्रा ट्रक एंड बस (MTB) ने आज अपने आधुनिक हल्के वाणिज्यिक वाहन (LCV) रेंज महिंद्रा FURIO 8 को औपचारिक रूप से बाजार में लॉन्च किया। यह ट्रक एक अनूठी गारंटी के साथ आता है - सबसे ज्यादा माइलेज नहीं मिला तो ग्राहक ट्रक वापस कर सकते हैं। चाकण (महाराष्ट्र) स्थित महिंद्रा की अत्याधुनिक निर्माण इकाई में निर्मित FURIO 8 दो वेरिएंट में उपलब्ध है - 4-टायर कार्गो और 6-टायर कार्गो, जो एलसीवी श्रेणी में विभिन्न व्यवसायों की जरूरतों को पूरा करते हैं। अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया यह ट्रक सर्वोत्तम माइलेज, अधिक पेलोड क्षमता और उन्नत केबिन के साथ आता है, जो ड्राइवर को आराम, सुविधा और सुरक्षा प्रदान करता है। अपने शानदार फ़ायदे के पैकेज के साथ FURIO 8 को इस श्रेणी में सबसे अधिक मुनाफा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसीलिए इसका संदेश है: ट्रक बदलो, तक़दीर बदलेगी। लॉन्च अवसर पर महिंद्रा ग्रुप के प्रेसिडेंट - ट्रक, बस, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट, एयरोस्पेस एवं डिफेंस, और समूह कार्यकारी बोर्ड के सदस्य श्री विनोद सहाय ने कहा, महिंद्रा FURIO 8 की यह नई रेंज 'सबसे ज्यादा माइलेज नहीं मिला तो ट्रक वापस कर दें' की गारंटी के साथ आती है। यह रेंज हमारे ग्राहकों को इस श्रेणी में सबसे अधिक ऑपरेटिंग प्रॉफ़िट कमाने में मदद करेगी। यह ट्रक बेहतरीन गुणवत्ता और ग्राहकों को केंद्र में रखने के नए मापदंड स्थापित करेगा, जो हमारे इस सेगमेंट में समर्पण और हमारे प्रोडक्ट पर विश्वास को दर्शाता है।

महिंद्रा ट्रक एंड बस एवं कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट के बिजनेस हेड डॉ. वेंकट श्रीनिवास ने कहा, महिंद्रा FURIO 8 को इस तरह इंजीनियर किया गया है कि यह अधिक कमाई, कम परिचालन लागत, न्यूनतम मेंटेनेंस और बेहतरीन सुरक्षा, आराम और सुविधा दे - ताकि ग्राहकों को मुनाफ़ा, मानसिक शांति और समृद्धि तीनों मिल सकें।

FURIO 8 के साथ दोहरी सर्विस गारंटी भी दी जा रही है: 36 घंटे के भीतर सर्विस का आश्वासन, अन्यथा प्रति अतिरिक्त दिन 3000 रुपये का मुआवज़ा, और 48 घंटे में वाहन रोड पर वापस नहीं आया तो 1000 रुपये प्रतिदिन का मुआवज़ा

इसके अलावा, FURIO 8 में भारत की सबसे उन्नत टेलीमैटिक्स तकनीक महिंद्रा iMAXX दी गई है, जिसमें शामिल हैं: लोकेशन ट्रैकिंग, जियोफेंसिंग, वाहन के रखरखाव की निगरानी, ड्राइवर की परफ़ेर्मेंस पर नजर और फ्लीट डैशबोर्ड आदि सुविधाएं।

टाटा मोटर्स ने लॉन्च किया ऐस प्रोः भारत का सबसे किफायती 4-व्हील मिनी-ट्रक, कीमत रु. 3.99 लाख रुपये से शुरू

नईदिल्ली। टाटा मोटर्स, भारत के सबसे बड़े कमर्शियल वाहन निर्माता, ने ऑल-न्यू टाटा ऐस प्रो लॉन्च करके छोटे कार्गो परिवहन में एक नये युग की शुरुआत की है। टाटा ऐस प्रो केवल ऋ्र. 3.99 लाख रुपये की शुरुआती कीमत में लॉन्च किया गया है और भारत का सबसे सस्ता फ़ोर-व्हील मिनी ट्रक है। यह शानदार दक्षता, लचीलापन और बेहतरीन मूल्य देता है। नए उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया, टाटा ऐस प्रो पेट्रोल, बाय-फ्यूल (सीएनजी + पेट्रोल) और इलेक्ट्रिक वैरिएंट में उपलब्ध है। ग्राहक उनकी व्यावसायिक जरूरतों के मुताबिक अपनी पसंद का वैरिएंट चुन सकते हैं। ग्राहक टाटा मोटर्स के देशभर में फैले 1250 कॉमर्शियल व्हीकल्स सेल्स टचप्वाइंट्स या टाटा मोटर्स के ऑनलाइन सेल्स प्लेटफॉर्म, फ्लीट वर्स, पर अपने पसंदीदा ऐस प्रो वैरिएंट को बुक कर सकते हैं। टाटा ऐस प्रो को खरीदना बेहद आसान है, कंपनी ने प्रमुख बैंकों और एनबीएफसी के साथ साझेदारी की है, जिससे ग्राहकों को लोन के लिए फ़ैरन मंजूरी मिलेगी, उन्हें पास ईएमआई के लचीले विकल्प होंगे और उनकी जरूरतों के अनुसार फ़ंडिंग सपोर्ट मिलेगा। ऐस प्रो को लॉन्च करते हुए, टाटा मोटर्स के एक्जीक्यूटिव ऑफ़ीसर, श्री गिरीश वाघ ने कहा, टाटा ऐस ने भारत में कार्गो परिवहन को बदल दिया था। पिछले 20 सालों में, इसने 25 लाख से ज्यादा उद्यमियों को सशक्त किया है और यह प्रगति एवं संभावना का प्रतीक बन चुका है। नया टाटा ऐस प्रो इस विरासत को नई पीढ़ी के लिए और बेहतर बनाता है। यह स्थिरता, सुरक्षा और लाभ देने के लिए बनाया गया है, इससे महत्वाकांक्षी उद्यमियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए ज्यादा कमाई की संभावनाएं बढ़ती हैं।

नदी में बाढ़ के चलते पुलगांव नाला की जलकुंभी इंटकवेल में फंसने से पेयजल आपूर्ति में हुआ असर

महापौर अलका बाघमार ने निरीक्षण कर स्थाई हल के लिए वैकल्पिक प्लान बनाने के दिए निर्देशः

दुर्ग/, नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत विगत दो दिनों से लगातार हो रही है बारिश के चलते नदी नाले उफ़ान पर हैं और शिवनाथ नदी में आई बाढ़ व पुलगांव नाला का जलस्तर बढ़ने से नाले में जमे जलकुंभी व झिल्ली पन्नी नदी इंटकवेल में फंस रही है ईसका असर अब पेयजल सप्लाई में भी होने लगी है किंतु निगम के जलगृह विभाग द्वारा कर्मचारी लगाकर संप में फंस रहे कचरे को लगातार साफकराई जा रही है वही जानकारी मिलने पर नगर निगम महापौर श्रीमती अलका बाघमार स्वयं शिवनाथ नदी का निरीक्षण करने पहुंची और नाले किनारे स्थापित 24 व 42 एमएलडी इंटकवेल में हर वर्ष बरसात के दिनों में नाले के कचरे फंसने के कारण पेयजल प्रभावित होने से रोकने वैकलिप प्लान बनाने के निर्देश अधिकारियो को दिए है। इस दौरान जलगृह विभाग प्रभारी श्रीमती लीना दिनेश देवांगन वित् विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे महिला बाल विकास प्रभारी श्रीमती शशि साहू पूर्व सभापति दिनेश देवांगन,डॉ देवनारायण तांडी पार्षद गोविंद देवांगन जल विभाग अभियंता मोहित मरकाम विनोद मांझी जलकार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर मौजूद थे। लगातार बारिश व मोगरा बैराज से पचास हजार क्यूसेक पानी छोड़ने से शिवनाथ नदी माहमरा एनीकेट में तीन फीट से अधिक पानी चढ़ गया है और इधर पुलगांव नाला में भी जल स्तर बढ़ने से उसमें जमे गाद के साथ जलकुंभी व कचरा बहकर शिवनाथ नदी के किनारे स्थित नगर निगम के 24 व 42 एमएलडी इंटकवेल में बार फंस रही है जिसे साफ करने कर्मचारी लगातार मशक्कत कर रहे है किंतु इसका सीधा असर अब शहर में जलापूर्ति पर हो रही है क्योंकि संप का बार बार मोटर पम्प बंद होने से फिल्टर प्लांट तक पानी पहुंचने में दिक्कत होने लगी है यह समस्या अक्सर बरसात के दिनों में होती है इसे देखते हुए महापौर अलका बाघमार ने बरसो पहले नाला किनारे बनाए गए इंटकवेल को नदी के प्रवाह क्षेत्र में स्थापित करने वैकल्पिक प्रस्ताव के लिए प्लान के करने के निर्देश दिए है वही शहर की जनता से उनके स्वस्थ्य का ध्यान रखने की दृष्टि से बरसात के दिनों में पानी उबाल कर पीने की अपील की है ।

जिला स्तरीय वृक्षारोपण समिति की बैठक संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला कार्यालय के सभा कक्ष में आज जिला स्तरीय वृक्षारोपण समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले में ''एक पेड़ मां के नाम 2.0'' अभियान की गति में तेजी लाने पर जोर दिया गया। बैठक में एजेंडावार इको क्लब फॉर मिशन लाइफ का गठन एवं गठन संबंधी नोटिफिकेशन को शाला के सूचना पटल पर प्रदर्शित करते हुए पोर्टल पर अपलोड कराने, जिले के सभी स्कूलों को इको क्लब फॉर मिशन लाइफ पोर्टल में https://ecoclubs.education.gov.in लिंक के माध्यम से पंजीयन कराने, पोर्टल पर विद्यालय का पंजीयन पश्चात् फोटो अपलोड कराने तथा शाला परिसार में स्थान की कमी होने की स्थिति में समुदाय एवं पंचायत के साथ मिलकर सड़क के दोनों किनारों पर छायादार पौधे लगाने, पंचायत द्वारा इस अभियान के लिए तय की गयी भूमि, बाग-बगीचे, तालाब के किनारे, नगर वन क्षेत्र, स्मार्ट सिटी योजना, ग्रीनबेल्ट, जल संधारण हेतु निर्धारित क्षेत्र, अमृत सरोवर, नहर के किनारों पर वृक्षारोपण एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल, तीर्थ स्थल आदि में वृक्षारोपण पर चर्चा की गई।

अभियान हेतु सभी विभागों से सामूहिक जिम्मेदारी के साथ आवश्यक सहयोग करने की अपेक्षा की गई है, ताकि यह अभियान जनआंदोलन का रूप ले सकें। विभागों से अपेक्षित सहयोग क्रमशः पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग - विद्यालयों के समीप खाली शासकीय भूमि का चिन्हांकन, ग्राम पंचायतों के माध्यम से गड्ढा खुदाई, पौधे की सुरक्षा व देखरेख, श्रमदान, जन जागरूकता और ग्राम स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रमों में सहयोग। लोक निर्माण विभाग- विद्यालय परिसरों की भूमि समतलीकरण हेतु तकनीक सहयोग, सड़क किनारे वृक्षारोपण की योजना बनाना, ट्री गार्ड लगाने व भूमि सुधार कार्य हेतु मशीनरी या संसाधनों की उपलब्धता। खनिज संसाधन विभाग - वृक्षारोपण हेतु पौधे, ट्री गार्ड, पानी की टंकिया, पाईप लाईन आदि के लिए आर्थिक सहायता, मिशन लाइफ पोर्टल पर पंजीकृत स्कूलों को अनुदान प्रदान करने में प्राथमिकता में शामिल करना। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग- नगर निकाय क्षेत्र के स्कूलों में वृक्षारोपण हेतु पौधे की उपलब्धता, सफाई, सिंचाई और पौधे के परिवहन में सहयोग। जल संसाधन विभाग- पौधों के लिए जल स्त्रोतों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, सिंचाई की व्यवस्था हेतु तकनीकी मार्गदर्शन, वाटर हार्वेस्टिंग हेतु सहयोग। आवास एवं पर्यावरण विभाग- स्थानीय जलवायु के अनुकूल पौधों की सूची प्रदान करना। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग - औद्योगिक संस्थानों के माध्यम से वृक्षारोपण हेतु वित्तीय सामग्री प्रदान करने में सहयोग, उद्योगों को विद्यालयों के वृक्षारोपण कार्यक्रम से जोड़ना, पौधे गोद लेने की पहल को बढावा देना। संस्कृति विभाग - वृक्षारोपण से जुड़े गीत, नुक्कड़ नाटक, लोककला आदि से जनजागरूकता अभियान चलाना, विद्यालयों मे वृक्षों की महत्ता पर आधारित सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन। महिला एवं बाल विकास विभाग- महिला समूहों/आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को वृक्षारोपण में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करना, एक पेड़ मों के नाम वृक्षारोपण को मातृ शक्ति से जोड़ना, पोषण वाटिका की स्थापना एवं बच्चों को पौधे के संरक्षण हेतु प्रेरित करना है।

बैठक में सहायक कलेक्टर श्री अभिजीत बबन पठारे, वनमण्डलाधिकारी श्री दीपेश कपिल, एडीएम श्री वीरेंद्र सिंह, जिला पंचायत के सीईओ श्री बी.के. दुबे, नगरीय निकाय, पी.डब्ल्यू.डी., खनिज, जल संसाधन, पर्यावरण, उद्योग, महिला एवं बाल विकास और शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

खबर-खास

श्रीरामराज युवा संगठन ने सौंपा जिलाधीश एवं नगरपालिका अध्यक्ष को ज्ञापन

गरियाबंद (समय दर्शन)। सनातन हिंदू धर्म का पवित्र श्रावण मास 11 जुलाई शुक्रवार से प्रारंभ हो रहा हैं,जिससे छत्तीसगढ़ ही नहीं अपितु अन्य राज्यों से भी गरियाबंद की पावन धरा मरौदा में स्थित विश्व विख्यात स्वयंभू शिवलिंग श्री भूतेश्वर नाथ महादेव मंदिर के दर्शन हेतु हजारों लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं।यह धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण यात्रा है, यह पैदल यात्रा जिसका प्रारंभ गरियाबंद नगर के विभिन्न पार्किंग स्थलों से श्री भुतेश्वर नाथ मंदिर तक चलता है।जिसके चलते गरियाबंद नगर से श्री भूतेश्वर नाथ मंदिर तक यात्रा मार्ग में अनेक मांसाहार की दुकानें स्थित है उन्हें इस पावन माह के प्रत्येक सोमवार को पूर्णत:बंद करने की मांग किया गया,साथ ही गौरव पथ से भूतेश्वर नाथ मंदिर पहुंच मार्ग तक प्रकाश की उचित व्यवस्था के साथ नगर के गौरव पथ मार्ग में घरों के सामने बहुत सारे वाहन खड़े रहते हैं जिससे यातायात लंबे समय तक बाधित रहता हैं,ऐसे वाहनों को हटाया जाए तथा तेज गति से चलने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना ना हो।वही प्रतिवर्ष बढ़ते वाहनों को देखते हुए पार्किंग की उचित व्यवस्था,गरियाबंद नगर से श्री भूतेश्वर नाथ मंदिर तक यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या देखते हुए मार्ग के बीच-बीच में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाए जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित महसूस हो।यात्रा मार्ग पर विशेष रूप से पेयजल एवं शौचालय की उचित व्यवस्था एवं स्वच्छता और साफ सफाई की व्यवस्था और श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के बाहर कम से कम 2 अस्थाई चिकित्सा शिविर की व्यवस्था की मांग किया गया। ज्ञापन देने वालो में श्री रामराज युवा संगठन के प्रकाश सोनी,आकाश तिवारी, भानु प्रकाश सिंह राजपूत,रोमी सिन्हा, नवीन सिन्हा आयुष सोनी राहुल साहू एवं संगठन के सदस्य उपस्थित रहे।

ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ एयरटेल की सख़्त कारवाही : मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 60 लाख यूज़र्स को रियल टाइम में सुरक्षा प्रदान की

रायपुर: भारत की अग्रणी टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल (एयरटेल) ने छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में बढ़ती ऑनलाइन धोखाधड़ी के ख़िलाफ़ अपने मिशन में उल्लेखनीय प्रगति की घोषणा की है। देशभर में एआई-आधारित फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम के लॉन्च के तहत एयरटेल ने छत्तीसगढ में मात्र 55 दिनों के भीतर 60 लाख से अधिक यूज़र्स को सफ़लतापूर्वक ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाया है। यह अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली सभी एयरटेल मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहकों के लिए ऑटोमैटिक रूप से एक्टिवेट होती है। यह एसएमएस, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ईमेल और अन्य ब्राउज़र्स पर भेजे गए लिंक को स्कैन और फ़िल्टर करती है। यह तकनीक रियल टाइम थ्रेट इंटेलिजेंस (साइबर ख़तरों की तात्कालिक जानकारी) का इस्तेमाल करती है और रोज़ाना 1 अरब से ज़्यादा यूआरएल का विश्लेषण करती है। किसी भी खतरनाक साइट पर पहुंचने से पहले यह सिस्टम महज 100 मिलीसेकंड में उसे ब्लॉक कर देता है। उदाहरण के लिए, अगर भिलाई का कोई निवासी यह संदिग्ध संदेश प्राप्त करता है: आपका पार्सल डिले हो गया है। इसे ट्रैक करें: http://www.tracky®urparcell.com और वह व्यक्ति अगर बिना सत्यता जाने, उस लिंक पर क्लिक करता है, तो एयरटेल का एआई-सिस्टम तुरंत सक्रिय हो जाता है। यह उस लिंक को स्कैन करता है और अगर वह संदिग्ध पाया जाता है, तो साइट को ब्लॉक कर देता है। यूज़र को एक चेतावनी संदेश पर रीडायरेक्ट कर दिया जाता है, जिसमें लिखा होता है: ब्लॉक कर दिया गया! एयरटेल ने इस साइट को ख़तरनाक पाया है! यह पूरा प्रोसेस रियल टाइम में, एक पल में होता है। इसी तरह के त्वरित इंटरसेप्शन से हर तरह के ऑनलाइन धोखाधड़ी से यूज़र्स को बचाया जा रहा है। इस पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, रितेश अग्रवाल, सीईओ ङ्क मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़, भारती एयरटेल ने कहा, एयरटेल में हम छत्तीसगढ़ में बढ़ते ऑनलाइन धोखाधड़ी से अपने ग्राहकों को बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हमारे एआई-संचालित फ्रॉड डिटेक्शन सॉल्यूशन के लॉन्च के साथ, हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर डिजिटल इंटरैक्शन सुरक्षित हो — सभी प्लेटफॉर्म पर और रियल टाइम में। यह सॉल्यूशन, जो हमारे नेटवर्क में एकीकृत है, बैकग्राउंड में चुपचाप काम करता है और यूज़र से किसी कार्रवाई की आवश्यकता नहीं होती।

समय-सीमा के प्रकरणों का तेजी से करे निराकरण

कलेक्टर ने समय-सीमा की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उईके ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए योजनाओं में प्रगति लाने आवश्यक निर्देश दिये।कलेक्टर ने जनदर्शन,जनचौपाल,जन शिकायत,पीजी पोर्टल,लोक संवाद,सीपी ग्राम सहित उच्च कार्यालयों के लंबित प्रकरणों को नियत समय के भीतर निराकरण नहीं करने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की।उन्होंने समय सीमा के बैठक में अनुपस्थित रहने वाले जिला अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा। कलेक्टर श्री उईके ने कहा कि समय-सीमा में दर्ज सभी प्रकरणों का तेजी से निराकरण करने के निर्देश दिये।साथ ही आवेदनों की मॉनिटरिंग एवं ऑनलाईन अद्यतीकरण भी सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने नगरीय निकाय के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश के मौसम में नालियों एवं गलियों में पानी भर जा रहे होंगे तो उसे नगरीय निकाय के अमलों से शीघ्र खाली कराये। उन्होंने घुमंतु मवेशियों के कारण सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवारा पशुओं को रोकने का नियमित अभियान चलाने के निर्देश दिये।

उन्होंने स्वास्थ्य कार्ड,किसान

क्रेडिट कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं अंतर्गत हितग्राहियों को लाभान्वित करने गंभीरतापूर्वक कार्य करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए।कलेक्टर ने जिले में किसानों के लिए खाद-बीज भण्डारण एवं वितरण भी जानकारी ली।उन्होंने कहा कि किसानों को खाद-बीज की उपल्बधता में परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी केन्द्रों में आवश्यक मात्रा में खाद-बीज भण्डारित कर नियमित वितरण सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने किसानों को डीएपी उर्वरक के विकल्प के रूप में सिंगल सुपर फास्फेट एवं एनपीके उर्वरक के बेहतर विकल्प के बारे में जागरूक करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि एसएसपी एवं एनपीके उर्वरक का जिले में पर्याप्त भण्डारण है। फसल उत्पादन को बढ़ाने हेतु संतुलित मात्रा में उर्वरक का उपयोग करने किसानों को प्रेरित की जाए।कलेक्टर ने सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्रों को सहकारी समिति का निरीक्षण करने के निर्देश दिये।जिन समिति में कही खादबीज एवं उर्वरक की कमी है,उन समितियों में आसपास के समिति से परिवहन कराकर उठाव कराये, जिससे कि किसानों को परेशानी न हो।कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाने के निर्देश दिये। इस दौरान कलेक्टर ने बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से प्राप्त आवेदनों,आर.बी.सी. 6-4 के तहत प्रकरणों की स्थिति एवं लंबित मुआवजा, अतिक्रमण,बेदखली पर कार्यवाही की स्थिति की समीक्षा की। कलेक्टर श्री उइके ने बताया कि सोमवार को गरियाबंद विकासखण्ड के ग्राम सढ़ौली में ब्लॉक प्लान्टेशन किया गया।इसी तरह 10 जुलाई को फिंगेश्वर के कौंदकेरा,11 जुलाई को छुरा के रसेला एवं 12 जुलाई को मैनपुर विकासखण्ड के जिडार एवं 15 जुलाई को देवभोग के गोहरापदर में ब्लॉक प्लान्टेशन कार्यक्रम किया जायेगा।इस अवसर पर बैठक में जिला पंचायत सीईओ जी आर मरकाम,अपर कलेक्टर अरविंद पाण्डेय, नवीन भगत,सभी एसडीएम,जनपद सीईओ सहित जिला अधिकारी मौजूद रहे।

चुनावी रंजिश में सगे भाई के बीच खूनी संघर्ष, आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले के थाना कुंडा के अतर्गत ग्राम नरोली में पंचायत चुनाव के दौरान दो सगे भाइयों में हुए विवाद के बाद फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया है। इस घटना में छोटे भाई ने बड़े भाई को ईंट व दांत से काटकर हमला कर पहुंचाया गंभीर चोट पहुंचाया था। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वय पुष्पेन्द्र बघेल व पंकज पटेल और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पंडरिया भूपत सिंह धनेश्री के मार्गदर्शन में थाना कुण्डा की टीम द्वारा एक पारिवारिक विवाद में गंभीर हमला करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पुलिस ने बताया कि ग्राम नरौली निवासी अंतु मेहर पिता श्याम लाल मेहर, उम्र 49 वर्ष, 04 फरवरी 2025 की रात लगभग 8.30 बजे अपने घर में था, तभी उसका छोटा भाई संतोष मेहर पिता श्याम लाल मेहर, उम्र 39 वर्ष शराब के नशे में पहुंचा और पंचायत चुनाव से जुड़ी बात को लेकर गाली-गलौच करते हुए हाथ मुक्के व ईंट से हमला कर दिया। आरोपी ने प्रार्थी के बाएं हाथ की तर्जनी अंगुली को दांत से काट लिया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित को तत्काल प्राथमिक उपचार दिलाया गया तथा डॉक्टरी परीक्षण के बाद चोट की गंभीरता को देखते हुए प्रकरण में धारा 118 (2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक महेश प्रधान के नेतृत्व में पुलिस द्वारा लगातार की जा रही पतासाजी के बाद आज दिनांक 8 जुलाई 2025 को आरोपी संतोष मेहर जो फरार चल रहा था को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। आरोपी के विरूद्ध थाना कुण्डा में धारा 296, 115(2), 351(3), 118 (2) बीएनएस के तहत कार्यवाही की जा रही है।

इस कार्रवाई से समाज में स्पष्ट संदेश गया है कि पारिवारिक या व्यक्तिगत विवाद के नाम पर हिंसा को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

शिक्षा का युक्तिकरण नहीं, यह शिक्षकों-छात्रों का शोषण है – कांग्रेस नेता राजेश साहू

प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था और निजी स्कूलों में लूट और आरटीई घोटाले का लगाया आरोप

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था पर कांग्रेस ने आज करारा हमला बोला है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश साहू ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रदेश में गिरते शिक्षा स्तर को भाजपा सरकार की विफल और जनविरोधी नीतियों का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की कटपुतली बनी राज्य सरकार ने युक्तिकरण के नाम पर शिक्षकों और छात्रों का मानसिक शोषण शुरू कर दिया है।राजेश साहू का आरोप है कि सरकार एक तरफ नए शिक्षकों की भर्ती को भूल चुकी है,वहीं दूसरी ओर 2008 के शिक्षक सेटअप में मनमानी छेड़छाड़ कर रही है।एक-एक पद विद्यालयों से कम किए जा रहे हैं, जिससे बचा-खुचा स्टाफ अत्यधिक दबाव में काम करने को मजबूर है।इससे शिक्षा की गुणवत्ता में भारी गिरावट आ रही है। निजी स्कूलों में लूट की छूट,आरटीई बच्चों के साथ खुलेआम अन्याय,,,,,राजेश साहू ने प्राइवेट स्कूलों पर भी गंभीर आरोप लगाए।उन्होंने कहा कि ये स्कूल हर साल मनमाने तरीके से फीस बढ़ा रहे हैं,जबकि आरटीई (ऋ्रश्व) के तहत पढ़ने वाले गरीब बच्चों का शोषण खुलेआम हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि —किसी भी निजी स्कूल में निगरानी समिति का गठन नहीं हुआ है,ड्रेस और किताबों की कोई सरकारी सुविधा नहीं दी जा रही है,शासन की ओर से कोई फंड जारी नहीं किया गया, हर साल पाठ्यक्रम में मामूली बदलाव कर नई किताबें थोप दी जाती हैं। वही राजेश साहू ने सवाल उठाया कि — क्या यह सब शासन की जानकारी के बिना हो रहा है? नहीं।यह एक संगठित लूट है।

युक्तिकरण या शिक्षा का विध्वंस?,,,कांग्रेस नेता ने कहा कि युक्तिकरण के नाम पर शिक्षा जगत में जो 'भूकंप' लाया गया है, उससे गांव के स्कूलों की रीढ़ टूट गई है। शिक्षक मानसिक रूप से टूट चुके हैं, छात्र भ्रमित हैं और पालक चिंतित। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए युक्तिकरण पर तत्काल रोक लगाई जाए। निजी स्कूलों में निगरानी समितियां अनिवार्य की जाएं।आरटीई के बच्चों को मूलभूत सुविधाएं दी जाएं।फीस,किताब और यूनिफॉर्म के मामलों पर सरकारी नियंत्रण लागू किया जाए।

नाम परिवर्तन

मैं pparapalli Praveen Kumar So Shri Vasudev, उम्र 35 वर्ष, निवासी-क्वाटर नं 16/बी, सड़क नं. 17, सेक्टर- 07. भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) , मेरे नाम से आधार कार्ड पेन कार्ड जारी हुआ है जिसमें उसका नाम यू प्रवीण कुमार (U) Praveen Kumar), दर्ज है जो कि गलत है। मेरे नाम से पासपोर्ट जारी हुआ है जिसमें मेरा नाम pparapalli Praveen Kumar, दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है। आगे सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर मेरा सही एवं वास्तविक नाम pparapalli Praveen Kumar दर्ज किया जावे। शासकीय गजट प्रकाशन पर मेरा सही एवं वास्तविक नाम Upparapalli Praveen Kumar दर्ज करवाना चाहता हूं।जिसके समर्थन में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार जामगांव आर तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

(ईश्तहार)

एतद द्वारा सर्व आम जनता एंव ग्राम भैसबोड प.ह.नं. 31 को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है आवेदक विश्वनाथ सिन्हा पिता सीताराम जाति कलार निवासी भैसबोड तह0 पाटन जिला दुर्ग द्वारा आवेदक अपने सभी परिवारों के साथ बहुत खुश थे उसका तीन पुत्री व एक लडका है इन सभी कि शादी व पढ़ाई करने के लिए बाहर भेज कर अच्छे शिक्षा देने के प्रयास व अपने सभी बच्चों के भविष्य को व्यवस्थित करते मेरा आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे इतना खराब हो गया कि मुझे अपने आपसी पहचान वालो से कर्ज ले कर अपने तीनो पुत्री व लडका कि शादी धुम धाम से किया और धीरे धीरे उस कर्ज को मै पटा रहा था लेकिन मेरा भी तबियत खराब होने लगा सुगर व बी. पी. का दवाई चल रहा है आवेदक एक छोटा सा कास्तकार है। आवेदक का नाम आधार कार्ड आयक विभाग व पुराना रिकार्ड में विश्वनाथ सिन्हा व बी-1 किश्तबंदी खतौनी, खसरा पांचशाला खण्ड 1 खसरा नक्शा मे बिसनाथ पिता सीताराम सिन्हा के रूप मे जाना जाता है। आवेदक के नाम को ऋण पुस्तिका क. 1067187 जिसका ख0न0 18/2, 29/5, 29/8172/2, 478/2 रकबा कमश: 0.12, 0.07, 0.08, 0.14, 0.30 हे.मे उर्फ के रूप में बिसनाथ सिन्हा जोडे जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण मे सुनवाई तिथि 16.07.2025 तक इस न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

अतिरिक्त तहसीलदार
जामगांव आर तह0 पाटन
जिला दुर्ग (छ0ग0)
मुहर

परमेश्वरी बाई को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले तीनों अभियुक्तों को सात सात साल की सश्रम कारावास व अर्थदंड की सजा

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले के कुकदूर थाना अंतर्गत ग्राम भेड़ागढ़ में परमेश्वरी बाई को कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या करने के लिए उकसाने का आरोप दोषसिद्ध पाते हुए पीठासीन न्यायाधीश सत्यभामा अजय दुबे ने अभियुक्तों शिवकुमार पिता सुकलाल 31 वर्ष, ममता बाई पति शिवकुमार पनरिया 28 वर्ष व नरेश पिता सुकलाल पनरिया 25 वर्ष को धारा 306 के तहत प्रत्येक को 7-7 साल का सश्रम कारावास और 500-500 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड समय पर नहीं देने पर अलग से एक एक माह का सश्रम कारावास भुगताया जाएगा। न्यायालयीन सूत्रों के अनुसार अभियुक्त शिवकुमार ने अन्य महिला से विवाह करने का प्रयास किया एवं शेष अभियुक्तों ने शिवकुमार को सहयोग कर मृतका परमेश्वरी बाई को आत्महत्या करने के लिए उकसाया। परिणाम स्वरूप परमेश्वरी बाई ने कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या कर ली। इस बीच एक अन्य अभियुक्त मैती बाई पति सुकलाल पनरिया की मृत्यु हो गई। उल्लेखनीय है कि दिनांक 19.04.2019 को जिला अस्पताल से परमेश्वरी बाई की मृत्यु की सूचना अस्पताल की पुलिस सहायता केंद्र को मिली। सूचना के आधार पर कवर्धा पुलिस ने जीरो में दर्ज मर्ग की डायरी को थाना कुकदूर भेजा। कुकदूर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच के दौरान जब्त शुदा संपत्ति का रासायनिक परीक्षण कराने के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया। मर्ग क्रमांक 11/2019 की जांच रिपोर्ट, एफएसएल रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं गवाहों के बयान के आधार पर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। लोक अभियोजक संजय सोनी ने बताया कि न्यायाधीश सत्यभामा अजय दुबे ने दोनों पक्षों को सुनने व साक्ष्य के आधार पर अपराध सिद्ध पाते हुए आरोपी के साथ उसकी पत्नी, और भाई को भी अपराध में सहयोग देने के लिए सजा सुनाई है।

नाम परिवर्तन

मैं विनीत जैन पिता श्री टीकम चंद जैन, उम्र 43 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 32, चावल लाईन, सदर बाजार, हटरी बाजार दुर्ग, तहसील व जिला दुर्ग (छ0ग0), मेरी पुत्री अमायरा वी जैन (Amayra V Jain), की जन्म तिथि 16/06/2010 है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री के नाम से आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षणिक अंकसूची, जारी हुआ है जिसमें उसका नाम विनिशा जैन (Viineessha Jain), दर्ज है जो कि गलत है।

मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम अमायरा वी जैन (Amayra V Jain), है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री के आगे सभी शासकीय/अर्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर उसकी सही एवं वास्तविक नाम अमायरा वी जैन (Amayra V Jain), दर्ज किया जावें। शासकीय गजट में मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम दर्ज करवाना चाहता हूँ जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं पंकज कुमार पिता प्रेमलाल, उम्र 29 वर्ष, पता वॉर्ड-05, बजरंग चौक, भरदाकला, बालोद, छत्तीसगढ़ 491225 में निवासरत हूं, मेरे पुत्र अनुराग साहू (ANURAG SAHU) का जन्म दिनांक 24-03-2023 को स्थान जिला चिकित्सालय दुर्ग में हुआ था जिसका जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम चेतन्य साहू (CHETANYA SAHU) दर्ज है।मेरे द्वारा अपने पुत्र का पुराना नाम चेतन्य साहू (CHETANYA SAHU) को बदलकर अपने पुत्र का नया नाम अनुराग साहू (ANURAG SAHU) रख लिया है। जिस हेतु मुझे गजट प्रकाशन करवाने की आवश्यकता है। मेरे पुत्र अनुराग साहू (ANURAG SAHU) के आधार कार्ड तथा समस्त शासकीय एवं अशासकीय दस्तावेजों में उसका नाम चेतन्य साहू (CHETANYA SAHU) से बदलकर अनुराग साहू (ANURAG SAHU) दर्ज करने तथा पढ़ा एवं समझे जाने के समर्थन में मेरे द्वारा यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं जगन नाथ वर्मा पिता श्री लोक नाथ वर्मा, उम्र 45 वर्ष, निवासी दुर्गा पारा, लक्ष्मी नगर प्रियदर्शनी स्कूल के पास, प्रार्ड नं. 05. सुपेला भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ0ग0) , मेरी पुत्री डॉली वर्मा (Dolly Verma), की जन्म तिथि 05/12/2010 है जो कि सत्य एवं सही है।

मेरी पुत्री के नाम से आधार कार्ड जारी हुआ है जिसमें उसका नाम दीपशिखा वर्मा (Deepshikha Verma), दर्ज है जो कि गलत है। मेरी पुत्री के नाम से जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षणिक अंकसूची जारी हुआ है जिसमें उसका नाम डॉली वर्मा (Dolly Verma), दर्ज है कि सत्य एवं सही है।

मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम डॉली वर्मा (Dolly Verma), है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री के आगे सभी शासकीय/अर्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर उसका सही एवं वास्तविक नाम डॉली वर्मा (Dolly Verma), दर्ज किया जायें। शासकीय गजट में मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम डॉली वर्मा (Dolly Verma) दर्ज करवाना चाहता हूँ,जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं पारख प्रकाश दास (Parakh Prakash Das) पिता श्री मनोहर दास, उम्र 33 वर्ष, निवासी इंदिरा पारा, चरोदा, भिलाई 03, तहसील भिलाई 03 जिला दुर्ग (छ.ग.) , मेरा पुत्र जयन्त दास (Jayant Das) का जन्म तिथि 27/09/2020 का है जो कि सत्य एवं सही है।

मेरा पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु) कार्यालय भिलाई-चरोदा, से जारी हुआ है जिसमें मेरे पुत्र का नाम खागेश दास, दर्ज है।

मेरा पुत्र के नाम से शैक्षणिक अंकसूची जारी हुआ है जिसमें मेरा पुत्र का नाम जयन्त दास (Jayant Das) दर्ज हैं।

मेरा पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम जयन्त दास (Jayant Das) है जो कि सत्य एवं सही है। मेरा पुत्र के आगे सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर उसका नाम जयन्त दास (Jayant Das) दर्ज किया जायें। शासकीय गजट में मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम जयन्त दास (Jayant Das) दर्ज करवाना चाहता हूँ,जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं स्वप्निल सुभाष (SWAPNIL SUBASH) पिता सुभाष विजयदासन, उम्र 23 वर्ष, पता प्लॉट न.-2 सी, स्ट्रीट न. - 07, आशीष नगर ईस्ट, रिसाली भिलाई सिविक सेंटर भिलाई दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.) 490006 में निवासरत हूं,मेरे आधार कार्ड एवं मेरे पैन कार्ड तथा मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम स्वप्निल सुभाष (SWAPNIL SUBASH) पिता सुभाष विजयदासन (Subash Vijayadasan) दर्ज है।

मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम एस स्वप्निल (S SWAPNIL) पिता- वी सुभाष (V Subash) दर्ज है।

मेरे आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में दर्ज नाम स्वप्निल सुभाष (SWAPNIL SUBASH) पिता सुभाष विजयदासन (Subash Vijayadasan) तथा मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में दर्ज मेरा नाम एस स्वप्निल (S SWAPNIL) पिता- वी सुभाष (V Subash) यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के अर्थात मेरा नाम है। मेरे द्वारा अपना पुराना नाम एस स्वप्निल (S SWAPNIL) पिता- वी सुभाष (V Subash) को बदलकर अपना नाम स्वप्निल सुभाष (SWAPNIL SUBASH) पिता सुभाष विजयदासन (Subash Vijayadasan) रख लिया है जिस हेतु मुझे गजट प्रकाशन करवाने की आवश्यकता है।

मेरे समस्त शासकीय एवं अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम एस स्वप्निल (S SWAPNIL) पिता वी सुभाष (V Subash) से बदलकर अपना नाम स्वप्निल सुभाष (SWAPNIL SUBASH) पिता सुभाष विजयदासन (Subash Vijayadasan) दर्ज करने तथा पढ़ा एवं समझे जाने के समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं विकास कुमार खुंटे (VIKASH KUMAR KHUNTE) पिता साधु राम खुंटे (SADHU RAM KHUNTE), उम्र-22 वर्ष,, स्थाई निवासी 295, देवनगर, परसाडीह, जैजैपुर, जिला सक्ती (छ0 ग0), पिन कोड - 495690 तथा वर्तमान निवासी दुर्ग तहसील एवं जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ , मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस एवं समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों एवं अन्य समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम विकास कुमार खुंटे (Vikash Kumar Khunte) पिता साधु राम खुंटे (Sadhu Ram Khunte) माता - पार्वती देवी खुंटे (Parvati Devi Khunte) दर्ज है। मेरे द्वारा अपना एवं अपने पिता तथा माता जी का पुराना नाम विकास कुमार खुंटे (Vikash Kumar Khunte) पिता श्री साधु राम खुंटे (Sadhu Ram Khunte) माता पार्वती देवी खुंटे (Parvati Devi Khunte) को त्याग कर अपना नाम विकास केके (VIKASH KK) पिता साधु राम (Sadhu Ram) माता - पार्वती देवी (Parvati Devi) रख लिया है तथा भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना एवं पहचाना जाए इसके समर्थन में मै राजपत्र प्रकाशन करवाना चाहता हूं।

मेरे सभी शासकीय और अशासकीय दस्तावेजों में विकास कुमार खुंटे (Vikash Kumar, Khunte) पिता - साधु राम खुंटे (Sadhu Ram Khunte) माता पार्वती देवी खुंटे (Parvati Devi Khunte) नाम बदलकर मेरा नाम विकास केके (VIKASH KK) पिता साधु राम (Sadhu Ram) माता - पार्वती देवी (Parvati Devi) दर्ज कर पढ़े एवं समझे जाने के संबंध में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

में अनिल कासलीवाल (Anil kasliwal) पिता मनि लाल कासलीवाल, उम्र 70 वर्ष, पता-दुकान क्रमांक 52 सेक्टर 7 मार्केट सेक्टर 7 सिविक सेंटर भिलाई तहसील एवं जिला दुर्ग (छ.ग.) में निवासरत हूं, मेरे आधार कार्ड एवं मेरे पैन कार्ड में मेरा नाम अनिल कासलीवाल (ANIL KASLIWAL) दर्ज है।

मेरे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर प्रमाण पत्र जिसका पंजीकृत फोलियो नं. 045074714 सर्टिफिकेट नंबर-62499245 हैं उसमें मेरा नाम अनिल जैन (Anil Jain) दर्ज है। मेरे रिलायंस एनर्जी के शेयर प्रमाण पत्र जिसका पंजीकृत फोलियो नं. 102456513 सर्टिफिकेट नंबर-015745651 हैं उसमें मेरा नाम अनिल कुमार जैन (Anil Kumar Jain) दर्ज है।

मेरे आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में दर्ज मेरा नाम अनिल कासलीवाल (ANIL KASLIWAL) तथा मेरे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर प्रमाण पत्र में दर्ज मेरा नाम अनिल जैन (Anil Jain) एवं मेरे रिलायंस एनर्जी के शेयर्स के दस्तावेज में दर्ज मेरा नाम अनिल कुमार जैन (Anil Kumar Jain) यह तीनों नाम एक ही व्यक्ति के अर्थात मेरा नाम है।

मेरे द्वारा अपना पुराना नाम अनिल जैन (Anil Jain) एवं अनिल कुमार जैन (Anil Kumar Jain) को बदलकर अपना नाम अनिल कासलीवाल (ANIL KASLIWAL) रख लिया है जिस हेतु मुझे गजट प्रकाशन करवाने की आवश्यकता है।

मेरे समस्त शासकीय एवं अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम अनिल जैन (Anil Jain) एवं अनिल कुमार जैन (Anil Kumar Jain) से बदलकर अपना नाम अनिल कासलीवाल (ANIL KASLIWAL) दर्ज करने तथा पढ़ा एवं समझे जाने के समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

संक्षिप्त-खबर

ठाकुरदिया कला के स्कूली बच्चों ने बच्चों की दुनिया का किया प्रकाशन

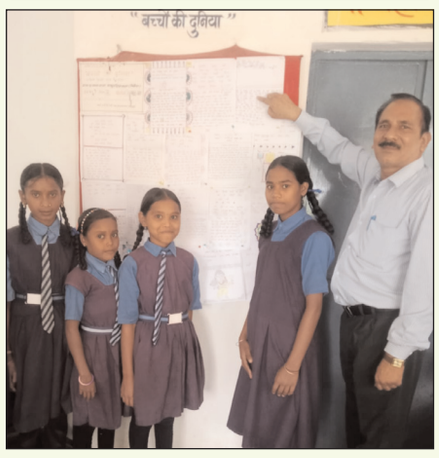

पिथौरा (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला ठाकुरदिया कला में अध्ययनरत कक्षा 6 से 8 वीं के बच्चों द्वारा नवाचारी पहल के तहत 8 जुलाई को हिंदी पाक्षिक दीवार पत्रिका (वाल मैग्जीन) बच्चों की दुनिया का प्रकाशन उत्साहपूर्ण माहौल में किया। यहाँ के बच्चों के द्वारा इस पाक्षिक पत्रिका को विगत नौ वर्षों से नियमित रूप से प्रकाशित कर रहे हैं । दसवें वर्ष के इस प्रथम अंक में स्कूली बच्चों ने कई तरह के शिक्षाप्रद व ज्ञानवर्धक कहानियां, चित्र, लेख,कविता एवं आसपास के समाचारों को बखूबी स्थान दिया है। ज्ञात हो कि इस नवाचारी पहल वाल मैग्जीन बच्चों की दुनिया को प्रधानपाठक छबिराम पटेल, शिक्षक मोहितराम पटेल, मुकेशकुमार सिन्हा के कुशल मागदर्शन में विगत नौ वर्षों से नियमित रूप से प्रकाशित किया जा रहा है। प्रधानपाठक छबिराम पटेल ने बताया कि यह अंक दसवें वर्ष का प्रथम अंक है। बच्चों की इस सराहनीय पहल की प्रधानपाठक छबिराम पटेल,शिक्षक मोहितराम पटेल, मुकेशकुमार सिन्हा, प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक श्रीमती कुसुम लता कुर्रे, विजय कुमार अनंत,मितवा समिति की नीरा ठाकुर, सरपंच श्रीमती दुलेश्वरी दीवान एवं शाला विकास समिति के अध्यक्ष यशवंत दीवान, वरिष्ठ सदस्य मेलाराम ठाकुर, श्रीमती शांति दीवान, रमेश दीवान,रेखराज बरिहा,तिलक राम दीवान, मनोज दीवान ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई व शुभकामनाएँ दिए हैं।

जनदर्शन में सुनी गई आमजनों की समस्याएं, 145 आवेदन प्राप्त हुए

मुंगेली (समय दर्शन) जिला कलेक्टोरेट में आज जनदर्शन का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने आमजनों की मांगों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुनी। जनदर्शन में कुल 145 आवेदन प्राप्त हुए, इनमें ग्राम पंडरभट्ठा के शम्भू यादव ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने, ग्राम बरेला के संतराम धुरी ने जमीन का नामांतरण कराने, ग्राम भथरी के लोकप्रसाद ने शौचालय निर्माण की स्वीकृति दिलाने, ग्राम मुसऊ नवागांव के जन्मेजय बंजारे ने शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, ग्राम कोदवाबानी के ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन योजनांतर्गत स्वच्छ पेयजल दिलाने,ग्राम कारेसरा के ग्रामीणों ने बिजली की समस्या से निजात दिलाने, महामाई वार्ड चूड़ीलाईन मुंगेली निवासी अमीर मोहम्मद ने वृद्धावस्था पेंशन दिलाने, ग्राम डाड़गॉव के दिव्यांग संदीप ने दिव्यांगता प्रमाण पत्र में सुधार कराने, ग्राम सम्बलपुर और चकरभठा के ग्रामीणों ने भैंसामुड़ा से चकरभठा तक सड़क मरम्मत कराने, ग्राम रबेली के राजकुमार कश्यप ने जमीन का सीमांकन कराने, ग्राम सुरदा के ग्रामीणों ने सुरेठा तक आगर नदी पर पुल निर्माण कराने, ग्राम झोंका के प्रदीप पाटले ने दिव्यांगता प्रमाण पत्र का नवीनीकरण कराने सहित अन्य आवेदकों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह तिलकवार्ड मुंगेली के मोहल्लेवासियों ने बारिश का पानी सड़क पर भरने से आवागमन बाधित होने की शिकायत की। अतिरिक्त कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती मेनका प्रधान, मुंगेली एसडीएम श्रीमती पार्वती पटेल सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में मृतक के परिजन को आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम चिरहुला के राजकमल यादव की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके निकटतम परिजन को 25 हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया गया है। एसडीएम श्रीमती पार्वती पटेल ने अतिरिक्त तहसीलदार मुंगेली के प्रतिवेदन के आधार पर सहायता राशि स्वीकृत किया है। गौरतलब है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सड़क दुर्घटना में मृतक के परिजन को 25 हजार रूपए और गंभीर रूप से घायल के परिजन को 10 हजार रूपए की स्वीकृति प्रदान किए जाने का प्रावधान है।

मिडिल स्कूल बिजराभांठा की कु.आंचल राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा में चयनित

- मिडिल स्कूल बिजराभांठा से कु.आंचल राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा में चयनित
- मिडिल स्कूल बिजराभांठा से कु.आंचल राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा में चयनित
- जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक एवं शाला परिवार ने दी शुभकामनाएं

बसना (समय दर्शन)। मिडिल स्कूल बिजराभांठा से लगातार तीसरे वर्ष भी सत्र 2024 -25 में एनटीए द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षा श्रेष्ठा परीक्षा में कुमारी आंचल का चयन हुआ है। एनटीए द्वारा ऑनलाइन काउंसलिंग के फर्स्ट राउंड में ही कु. आंचल कुमार को उनके चॉइस फिलिंग फॉर्म के आधार पर रूंगटा पब्लिक स्कूल भिलाई आबंटित किया गया है। जहां उन्हें कक्षा नवमी से बारहवीं तक

नि:शुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान की जाएगी। उनके इस उपलब्धि के लिए जिला पंचायत सीईओ श्री एस. आलोक, अपर कलेक्टर श्री रवि कुमार साहू, जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय लहरे, डीएमसी श्री रेखराज शर्मा द्वारा जिला कार्यालय के सभाकक्ष में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सीईओ श्री एस. आलोक ने उनकी कड़ी मेहनत और लगन को दूसरे छात्रों के लिए भी प्रेरणादायक बताया। कु. आंचल के चयन होने पर मिडिल स्कूल बिजराभांठा के शिक्षक स्टाफ अरुण कुमार निषाद, अनिल सिंह साव, उत्तरा कुमार चौधरी, गुण निधि सिदार, हरिहर पटेल, शिवचरण चौधरी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

विदित हो कि मिडिल स्कूल बिजराभांठा से सत्र 2018-19 से अब तक 39 बच्चे एनएमएमएसई में,23 बच्चों का प्रयास विद्यालय में, 5 बच्चों का श्रेष्ठा में तथा 3 बच्चों का विवेकानंद विद्यापीठ चयन परीक्षा में चयन हो चुका है। श्रेष्ठा (स्कीम फॉर रेजिडेंशियल एजुकेशन फॉर स्टूडेंट्स इन टार्गेटेड हाई स्कूल) जिसका हिंदी में अर्थ है लक्षित क्षेत्रों में उच्च विद्यालयों में छात्रों के लिए आवासीय शिक्षा. यह योजना अनुसूचित जाति के छात्रों को उत्कृष्ट निजी आवासीय विद्यालयों में शिक्षा प्रदान करने के लिए शासन की मंसानुरूप जरूरत मंद छात्रों के लिए यह महत्वाकांक्षी योजना मिल का पत्थर साबित हो रहा है।

सीईओ एस. आलोक ने जन चौपाल में सुनी आम जनों की समस्याएं

- अधिकारियों को दिए शीघ्र निराकरण के निर्देश

महासमुंद (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ एस आलोक ने आज मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जन चौपाल में जिले के विभिन्न स्थानों से आए नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी।

उन्होंने संबंधित विभाग को आवेदनों का अवलोकन कर नियमानुसार पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए कहा। आज ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के 26 आवेदकों ने आवेदन प्रस्तुत किए। सीईओ ने सभी आवेदकों की समस्याएं बारी-बारी सुनी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू एवं रविराज ठाकुर, एसडीएम सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। जन चौपाल में सरायपाली के हितग्राही तिलक राम ने पीएम आवास की राशि जारी करने हेतु सचिव द्वारा पैसे लिए जाने के संबंध में शिकायत प्रस्तुत किया।

इसी क्रम में दीनबंधु सोना ने भी शिकायत किया जिस पर सीईओ ने उक्त मामलों में प्राथमिकता से जाँच करने हेतु निर्देशित किया।

इसके अलावा सेवक राम साहू पोटापारा पिथौरा द्वारा त्रुटि सुधार हेतु आवेदन, ग्राम पंचायत छांदनपुर के शिव मंदिर में अतिक्रमण वेणुधर थानापति द्वारा आवेदन, झलप में शासकीय भूमि अतिक्रमण संबंधी आवेदन, परमेश्वर यादव साराडीह महासमुंद द्वारा बैंक की ग़लत एंट्री के संबंध में आवेदन, राजकुमार भोई झगरेनडीह पिथौरा द्वारा सीमांकन हेतु आवेदन किया गया।

जन चौपाल में इसके अलावा पीएम आवास योजना, अवैध अतिक्रमण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, धान खरीदी, मुआवजा राशि, साथ ही अन्य माँग एवं शिकायत संबंधी आवेदन प्राप्त हुए, जिस पर शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

धायक चातुरी नंद ने महाविद्यालय परिसर में रोपे पौधे

- विधायक चातुरी नंद ने सरायपाली के स्व.राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया

सरायपाली (समय दर्शन)। विधायक चातुरी नंद, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संध्या भोई एवं अन्य अतिथियों ने ईको क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर किया । इस अवसर पर विधायक चातुरी नंद ने कहा कि वृक्षारोपण सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह भावी पीढ़ियों के लिए जीवनदायिनी सौगात है। वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह धरती मां के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। यदि हम आज एक पौधा लगाते हैं, तो भविष्य में वह कई पीढ़ियों को शुद्ध वायु, छाया और जीवन प्रदान करेगा। कार्यक्रम को स्व. राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संध्या भोई ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य डॉ संध्या भोई ने विधायक चातुरी नंद को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद सुरेश भोई, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमल अग्रवाल, केशव अग्रवाल, प्रखर शर्मा, जयंत यादव सहित संकाय सदस्य, महाविद्यालय के प्रोफेसर गण, कर्मचारीगण सहित छात्र छात्राएं विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पीएम श्री विद्यालय अखरा के मुख्य गेट पर पालकों ने जड़ा ताला, शिक्षक की कर रहे है मांग

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत अंतर्गत अखरा वार्ड के पी एम श्री स्कूल में पालकों ने शिक्षकों के मांग को लेकर लगातार बरसते पानी में स्कूल के मुख्य द्वार में ताला लगाकर बाहर खड़े है स्कूल के शिक्षक एवं बच्चे भी बाहर बरसते पानी में खड़े है ,,बच्चों के परेशानी को देखकर समीप स्थित देवांगन भवन में ठहराया गया हैप्राप्त जानकारी के अनुसार पी एम प्राथमिक शाला अखरा पाटन में एक से पांचवीं तक कक्षा में दर्ज संख्या 166 है पर युक्ति युक्त कारण में शिक्षक देवेंद्र कुमार साहू को पी एम स्कूल से अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया है शिक्षक की कमी को लेकर शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों ने कलेक्टर जन दर्शन एवं शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को ज्ञापन देकर शिक्षक की मांग कर चुके है लेकिन आज तक केवल आश्वाशन ही मिला है शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राम नाथ साहु ने कहा कि जहां केंद्र सरकार की योजना में पी एम श्री स्कूल को शिक्षा के लिए प्राथमिकता दी जा रही है तो उल्टा दुर्ग जिले के शिक्षा अधिकारी पी एम श्री स्कूल के साथ दोयम दर्जा का व्यवहार कर रहे है समिति के सदस्य ने कहा कि शिक्षक के मिलते तक आंदोलन जारी रहेगा अखरा पी एम स्कूल के शिक्षा स्तर को देखते हुए आसपास गांव के पालक भी अपने बच्चों को इस स्कूल में दाखिला दे रहे है आंदोलन के समय मुख्य रूप से शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर चढ़िया,मिडिल स्कूल अध्यक्ष योगेश्वर वर्मा पालक समिति अध्यक्ष रामनाथ साहू, उपाध्यक्ष लक्ष्मी ठाकुर, माणिक निषाद गंगा राम निषाद,,गावस्कर देवांगन , कृष्णा चंद्राकर, श्रीमती हस्ती साहु, श्रीमती मधु ठाकुर, सरजू साहू, लिलेश वर्मा के अलावा पंदर बठेना, तुलसी देमार,पाटन अटारी के पालक उपस्थित रहे।

बी ई ओ पहुंचे स्कूल- स्कूल में तालाबंदी की खबर लगते ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप महिलांगे तत्काल स्कूल के पास पहुंचे। यहां पर स्कूल के बाहर ही उन्होंने पालकों से चर्चा किया और समस्याओं को गंभीरता से उन्होंने सुना। साथ ही साथ पालकों का एक प्रतिनिधिमंडल को बुधवार को ऑफिस में बुलाकर चर्चा करने का आश्वासन भी दिया। बारिश लगातार हो रही थी इस कारण बाहर में चर्चा नहीं हो पाया। पलकों को आश्वासन मिलने के बाद स्कूल का ताला खोला गया एवं बच्चों व शिक्षक स्कूल के अंदर गए और पढ़ाई शुरू हुई।

जिला स्तरीय शालाये कुश्ती प्रतियोगिता दुर्ग में आयोजित, पांच खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

पाटन (समय दर्शन)। जिला स्तरीय शालाये कुश्ती प्रतियोगिता दिनांक 07/07/2025 को महात्मा गांधी उ.मा. वि. दुर्ग में सम्मपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारभ श्री ललित साहू कुश्ती संघ के संरक्षक, श्रीमती आरती शुक्ला एवं संस्था के प्राचार्य के द्वारा बजरंग बली जी की छाया चित्र पर मालयार्पण वा दिप प्रज्जवलित किया गया। प्रतियोगिता में 14, 17 एवं 19 वर्ष बालक / बालिका 75 खिलाड़ियों ने भाग लिया । विकासखण्ड से चयनित प्रतिभागी जिला स्तर पर अपना दमखम एवं प्रतिनिधित्व किये जिसमें पाटन विकासखण्ड सेजस मर्रा से 05 खिलाड़ियों ने भाग लिया कक्षा सातवी से अदित्य अण्डर-14, कक्षा-9 से नेमन, समीर, केतन एवं दिव्यांक ने अण्डर- 17 ने भाग लिया इन 05 खिलाड़ियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किये वा सभी बच्चों का संभाग स्तर में चयन हुआ । चयनित खिलाड़ियों को शुभ आशीष एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ विलियम लकड़ा सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग दुर्ग, श्री प्रदीप भुवाल, श्री डी. पी. साहू प्राचार्य सेजस मर्रा, श्री खिलेश वर्मा अध्यक्ष जनभागीदारी शाला प्रबंधक समिति सेजस मर्रा, श्री संतोष यादव, श्री हेमंत कुमार एवं श्री भरतलाल ताम्रकार (प्रशिक्षक खेलों इंडिया) उपस्थित थे।

फर्जी भुगतान घोटाला : सीईओ को बचाने की कवायद तेज, छोटे कर्मचारियों पर गिर सकती है गाज

छुईखदान (समय दर्शन)। जनपद पंचायत छुईखदान में करोड़ों के फर्जी भुगतान घोटाले में अब लीपापोती शुरू हो गई है। जहां एक ओर तत्कालीन सीईओ को बचाने के प्रयास तेज हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर छोटे कर्मचारियों को निशाना बनाने की तैयारी की जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, जिला पंचायत अब जनपद पंचायत लिपिक लिकेश तिवारी को निलंबित करने की प्रक्रिया में है, जबकि जांच में यह स्पष्ट हो चुका है कि सभी भुगतान तत्कालीन सीईओ रवि कुमार के डिजिटल सिग्नेचर (डीएससी) से ही हुए हैं। इसके बावजूद उन्हें क्लीन चिट देने की कोशिशें की जा रही हैं।

सीईओ ने खुद को जांच अधिकारी घोषित किया : पेपर में मामला उजागर होने के बाद सीईओ रवि कुमार ने खुद को ही जांच अधिकारी बना लिया और लिपिक व ऑपरेटरों के बयान दर्ज कर रिपोर्ट तैयार कर दी। अब सवाल उठ रहा है कि भुगतान प्रक्रिया में कैशबुक, गोस्वारा और मदवार व्यय की जिम्मेदारी सीईओ की होती है, तो फिर क्या वह पूरे

मामले से अनजान थे?

कैशबुक में बैकडेट एंट्री, सहमति पत्रों का दबाव : मामले को वैध ठहराने के लिए अब पंचायत सचिवों व सरपंचों पर दबाव बनाया जा रहा है कि वे पुराने तारीखों में सहमति पत्र तैयार करें। ताकि यह साबित किया जा सके कि भुगतान उनकी अनुमति से हुआ। साथ ही कैशबुक में भी बैकडेट एंट्री कराई जा रही है, जिससे पूरे घोटाले को कागजों पर सही ठहराया जा सके।

राजनीतिक हस्तक्षेप भी आया सामने : जैसे-जैसे घोटाले की परतें खुल रही हैं, कुछ स्थानीय नेता सचिवों और सरपंचों पर दबाव बना रहे हैं कि वे सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करें। वहीं, चार ऑपरेटर जिन्हें तत्काल हटाया गया है, वे अब नेताओं की शरण में पहुंच चुके हैं।

सचिव बोले- हमें जानकारी ही नहीं थी : ग्राम पंचायत समबलपुर और सिलपट्टी के सचिवों ने जांच के दौरान स्पष्ट किया कि भुगतान की जानकारी उन्हें नहीं थी। राशि सीधे वेंडरों को ट्रांसफर की गई और उन्हें इसकी भनक तक नहीं लगी। इससे यह स्पष्ट होता है कि पूरा खेल जनपद स्तर पर रचा गया और पंचायतों को अंधेरे में रखकर राशि का गबन किया गया।

अब निगाहें जिला प्रशासन की कार्रवाई पर : जनता और कर्मचारी संगठन अब इस बात पर नजरें गड़ाए हुए हैं कि क्या बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई होगी या फिर एक बार फिर छोटे कर्मचारियों को ही बलि का बकरा बनाया जाएगा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26